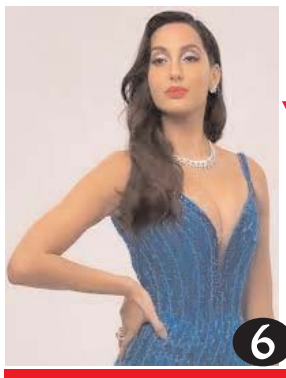

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

6 पेज

पेज 7

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 66 | ग्वालियर बुधवार 14 दिसम्बर 2022 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

भारत के नौसेनाध्यक्ष श्रीलंका के चार दिवसीय दौरे पर

कोलंबो। भारत के नौसेनाध्यक्ष (सीएनएस), एडमिरल आर हरि कुमार श्रीलंका की चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं. इस दौरान वह राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने और रक्षा राज्य मंत्री प्रेमिता बंडारा टेनाकून से मुलाकात करेंगे. वह श्रीलंकाई नौसेना कमांडर वाइस एडमिरल निशांथा उलुगेटेन के निमंत्रण पर सोमवार को कोलंबो पहुंचे. उनकी अगवानी उनके श्रीलंकाई समकक्ष रियर एडमिरल प्रियंता परेरा ने की.कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने कहा, अपनी यात्रा के दौरान, सीएनएस के रक्षा सचिव, रक्षा कर्मचारियों के प्रमुख और सेवा कमांडरों से मिलने की उम्मीद है और गुरुवार को वह नौसेना और समुद्री अकादमी, त्रिंकोमाली की पासिंग आउट परेड में मुख्य अतिथि होंगे. बयान में कहा गया है, सीएनएस के यात्रा दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों और घनिष्ठ सहयोग का प्रतीक है.यह दोनों देशों के बीच मौजूदा द्विपक्षीय समुद्री संबंधों और सामान्य सुरक्षा चिंता के क्षेत्रों को मजबूत करेगा. क्षेत्र में शांति सुनिश्चित करने की दिशा में क्षमता बढ़ाने और क्षमता निर्माण की पहल पर यात्रा के दौरान चर्चा की जाएगी. मिशन ने कहा, यह दौरा भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति के अनुरूप दोनों देशों के बीच बढ़ते सौहार्द और दोस्ती का भी संकेत है.उच्चायोग ने कहा कि जहाज श्रीलंका नौसेना के साथ प्रशिक्षण में संलग्न होगा और समुद्री साझेदारी अभ्यास में भाग लेगा. भारतीय नौसेना ने अपनी समुद्री क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अगस्त में श्रीलंकाई वायु सेना को एक समुद्री टोही विमान प्रदान करने के अलावा मार्च में वार्षिक अभ्यास एसएलआईएनईएक्स 21 के दौरान श्रीलंका नौसेना के साथ बातचीत की. भारतीय नौसेना अपने श्रीलंकाई समकक्षों को अनुकूलित और विशेष प्रशिक्षण भी प्रदान कर रही है, जिसमें समुद्री प्रौद्योगिकी भी शामिल है.

भारत की यूएनएससी अध्यक्षता के कार्यक्रमों के लिए यूएस जाएंगे

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर 14 और 15 दिसंबर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की भारत की अध्यक्षता के लिए चल रहे दो उच्च-स्तरीय मंत्रिस्तरीय हस्ताक्षर कार्यक्रमों की अध्यक्षता करने के लिए न्यूयॉर्क का दौरा करेंगे. उनके संयुक्त राष्ट्र महासचिव और महासभा के अध्यक्ष के साथ विचार-विमर्श करने की भी उम्मीद है, साथ ही भारतीय अध्यक्षता पद के उच्च स्तरीय हस्ताक्षर कार्यक्रमों में भाग लेने वाले अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय रूप से मुलाकात करेंगे.संयुक्त राष्ट्र महासचिव और यूएनएससी के सदस्य देशों के लिए बाजरा का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष 2023 पर भारत की पहल को प्रदर्शित करने वाली एक विशेष फोटो प्रदर्शनी भी उनके द्वारा आयोजित की जाएगी. 14 दिसंबर को होने वाली उच्च स्तरीय मंत्रिस्तरीय खुली बहस सुधारित बहुपक्षवाद के लिए नई दिशा (एनओआरएमएस) के विषय पर है और 15 दिसंबर को होने वाली उच्च स्तरीय ब्रीफिंग आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए वैश्विक दृष्टिकोण - चुनौतियां और आगे का रास्ता पर है. ये दोनों विषय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपने वर्तमान कार्यकाल के दौरान भारत के लिए प्रमुख प्राथमिकताएं रहे हैं.सुधारित बहुपक्षवाद पर खुली बहस का प्राथमिक फोकस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के दीर्घकालिक सुधारों सहित वैश्विक शासन बहुपक्षीय वास्तुकला में सुधारों की तत्काल आवश्यकता को गंभीरता से संबोधित करने के लिए सभी सदस्यों को प्रोत्साहित करना है.

भारत से ज्यादा चीनी सैनिकों को नुकसान, हमारे जवान एक इंच भी नहीं हटे

नई दिल्ली।–अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में चीनी सेना की ओर से घुसपैठ की खबर आई है. जानकारी ये भी सामने आ रही है कि शुरुआत में 200 चीनी सैनिकों ने भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश की थी, जिन्हें महज 50 भारतीय सैनिकों ने पीछे लौटने पर मजबूर कर दिया. इस घटना में कई चीनी सैनिक घायल हुए, तो कुछ भी भारतीय भी. तभी रि-इंफोर्समेंट के साथ 100 चीनी सैनिक और पहुंच गए तो उन्हें बल मिलने लगा. लेकिन भारतीय सेना के 75 जवान भी वहां पहुंच गए और सभी 300 चीनी सैनिकों की धज्जियां उड़ा दी. इस पूरे घटनाक्रम में तीन दर्जन से अधिक चीनी जवान बुरी तरह से घायल हैं. वहीं, एक दर्जन भारतीय जवान भी घायल हैं. स्थानीय बीजेपी सांसद ने बताया कि भारतीय सैनिकों ने एक भी चीनी सैनिक को भिडंत की जगह के एक भी इंच आगे नहीं आने दिया. बल्कि उन्हें बुरी हालत में वापस लौटने को मजबूर कर दिया.

भारतीय सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब–अरुणाचल-ईस्ट लोकसभा सीट से बीजेपी सांसद तापिर गाओ ने कहा कि मैंने तवांग सेक्टर में चीनी घुसपैठ के बारे में सुना. पूरी जानकारी जब सामने आई तो पता चला है कि पीएलए के जवानों ने भारतीय सीमा में घुसपैठ की कोशिश की. वो एक चोटी से भारतीय पोस्ट को हटाना चाहते थे. लेकिन भारतीय सैनिकों ने चीनी सैनिकों को मुंहतोड़ जवाब दिया. कुछ भारतीय जवान घायल हैं, तो उससे कहीं ज्यादा नुकसान चीनी जवानों को पहुंचा है. भारतीय सेना सीमा पर एक इंच भी पीछे नहीं हटी है. उन्होंने चीनी घुसपैठ की निंदा की और पूरे वाकये को भी चीन की बदमाशी से जोड़ा है. इस बीच एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मामले को लोकसभा में उठाने के लिए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव रखा है. उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के शौर्य पर किसी को शक नहीं है. लेकिन सरकार को अपनी मंशा साफ करनी चाहिए. ये पूरा घटनाक्रम 9 दिसंबर का है, और पूरे देश को इसकी जानकारी 12 दिसंबर को मिल रही है.

अमित शाह ने कांग्रेस के सवालों पर किया पलटवार, कहा-चीनी दूतावास से पैसे क्यों लिए?

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में तवांग के मुद्दे पर कांग्रेस के सवालों पर पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस बताए कि वर्ष 2005-07 के बीच राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास से एक 1 करोड़ 35 लाख रुपये मिले थे, उसका उन्होंने क्या किया? कांग्रेस देश को बताए कि राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट ने जाकिर नाइक की संस्था से बिना अनुमति लिए ख़ष्टक्र खाते में जुलाई 2011 को 50 लाख रुपये क्यों लिए? गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि लोकसभा में कांग्रेस के हंगामे की वजह कुछ और ही थी. उन्होंने कहा कि कांग्रेस राजीव गांधी फाउंडेशन से जुड़े सवाल पर चर्चा से बचना चाहती है. उन्होंने कहा कि जब उन्होंने सवालों की सूची देखी तो पांच नंबर सवाल को देखकर मुझे कांग्रेस की चिंता समझ में आई. यह सवाल राजीव गांधी फाउंडेशन के लाइसेंस रद्द होने को लेकर था. अमित शाह ने कहा कि राजीव

गांधी फाउंडेशन ने चीन से राशि ली. चीनी दूतावास से कांग्रेस के राजीव गांधी फाउंडेशन को 1.35 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे. उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार में चीन ने पूरे अरुणाचल पर दावा किया. इसे उन्होंने शोध का विषय बनाया था क्या. अगर बनाया था तो इसका नतीजा क्या था? का दावा है कि दूतावास से मिली राशि भारत और चीन के रिश्तों पर शोध के लिए थी, तो देश यह जानना चाहता है कि क्या 1962 के युद्ध के दौरान भारत ने जो जमीन गंवाई थी, क्या उसे शोध में लगाया गया?गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर नि?शाना साधा कि नेहरू जी के प्रेम के कारण ही भारत यूएनएससी की स्थायी सदस्यता नहीं पा पाया. जब गलवान में देश के जवान चीनियों से मुकाबला कर रहे थे, चीनी दूतावास के अधिकारियों को रात्रिभोज कौन दे रहा था.

राघव चड्ढा ने राज्यसभा में दिया सस्पेंशन नोटिस

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के तवांग में भारत-चीन सैनिकों के बीच झड़प के मामले में संसद में चर्चा होगी. इस मामले में तुरंत चर्चा कराए जाने के लिए आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने सस्पेंशन नोटिस दिया है. राघव चर्चा ने नियम 267 के तहत सस्पेंशन नोटिस दिया है. उन्होंने कहा कि सरकार इस सबसे जरूरी मुद्दे पर तुरंत चर्चा करे. बता दें कि 9 दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में चीनी सैनिकों ने घुसपैठ की कोशिश की थी., जिसे भारतीय सेना के जवानों ने विफल कर दिया. इस दौरान दोनों तरफ के जवानों में झड़प भी हुई है, जिसमें करीब एक दर्जन भारतीय जवान घायल हुए हैं, तो तीन दर्जन से अधिक चीनी जवानों के घायल होने की खबर है.राघव चड्ढा ने कहा कि सरकार को इस मुद्दे पर तुरंत न सिर्फ रूख स्पष्ट करना चाहिए, बल्कि ऐसी किसी भी हरकत का मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए. पढ़ें, राघव चड्ढा का नोटिस

भारत-चीन के जवानों के बीच झड़प दोनों तरफ से कई सैनिक घायल

नई दिल्ली।देश के सबसे नॉर्थ ईस्ट राज्य अरुणाचल प्रदेश में भारत और चीन के बीच झड़प हुई है. इस झड़प में दोनों ओर से सैनिक घायल हुए हैं. सूत्रों के हवाले से खबर आई है कि 9 दिसंबर की रात को चीनी सैनिक तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा के एकदम पास आ गए थे. इस पर भारतीय सेना के जवानों ने उनका काफी दृढ़ता से मुकाबला किया. हालांकि, बाद में शांति बहाली के लिए दोनों तरफ से फ्लैग मार्च निकाला गया है. सूत्रों के अनुसार, चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी अरुणाचल प्रदेश के तवांग में एलएसी तक पहुंचना चाह रही थी. चीनी सेना की इस हरकत का भारतीय जवानों ने जमकर विरोध किया. इस वजह से दोनों तरफ के सैनिक आमने-सामने आ गए और उनमें झड़प हो गई. हालांकि, अंत में भारतीय सेना के जवानों ने चीनी सैनिकों को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया और वे वापस चले गए.

भारत में दुनिया के सबसे अधिक 80 करोड़ इंटरनेट उपभोक्ता

नई दिल्ली।केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि भारत 80 करोड़ यूजर्स के साथ दुनिया का सबसे बड़ा कनेक्टेड देश बन गया है. इंडिया इंटरनेट गवर्नेंस फोरम 2022 (आईआईजीएफ2022) में बोलते हुए मंत्री ने कहा कि 5जी और भारतनेट की सबसे बड़ी ग्रामीण इंटरनेट कनेक्टिविटी नेटवर्क परियोजना में 1.2 बिलियन भारतीय उपयोगकर्ता होंगे, जो दुनिया में सबसे अधिक होंगे.रविवार को राजधानी में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम में मंत्री ने कहा, हम तकनीकी नवाचारों के साथ-साथ आधुनिक नियामक नीतियों के प्रासंगिक बने रहने की भी उम्मीद करते हैं.

पाकिस्तान ने नहीं चुकाई किश्त,तो थम जाएगा विदेशी निवेश

नई दिल्ली।पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पाकिस्तान की मिली जुली सरकार पर करारा हमला बोला है. इमरान खान ने गठबंधन सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि अगर देश डिफॉल्ट करता है तो इससे चोरों के गिरोह के हितों को कोई नुकसान नहीं होगा. जियो न्यूज के मुताबिक, इमरान खान ने कहा है कि चोरों के गिरोह के पास विदेशों में अरबों डॉलर की संपत्ति है, इसलिए उन्हें देश के आर्थिक पतन की परवाह नहीं है. उन्होंने कहा कि देश के नेता सिर्फ अपने फायदे की बात ही सोचते हैं. वो किसी और चीज की परवाह नहीं करते.रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान ने कहा कि अमेरिकी डॉलर में और तेजी आएगी, यदि पाकिस्तान डिफॉल्ट करता है तो यहां कोई विदेशी निवेश नहीं होगा. उन्होंने कहा कि हम पर चोरों का एक गरुप थोपा गया है, यह गिरोह पिछले 30 साल से राष्ट्रीय संपत्ति की चोरी कर रहा ह

गलवान के बाद अब तवांग में संघर्ष, चीन के 300 जवानों पर भारी पड़े भारत के 125 वीर सैनिक

नई दिल्ली।लद्दाख के गलवान के बाद अब अरुणाचल प्रदेश के तवांग में चीन ने एक बार दुस्साहन किया है. वास्तविक नियंत्रण रेखा (ख़्ष्ट) पर तवांग के नजदीक लगभग 15 हजार फीट की ऊंचाई पर भारत और चीन के सैनिक आमने-सामने आ गए. इस दौरान चीन के 300 सैनिकों पर भारत के 125 वीर सैनिक भारी पड़ गए. अंत में चीनी सैनिकों को पीछे हटना पड़ा. इस घटना में भारत के एक दर्जन और चीन के 2 दर्जन जवान घायल हो गए हैं. बताया जा रहा है कि भारत के 6 घायल जवानों को इलाज के लिए गुवाहाटी लाया गया है. यहां उन्हें गुवाहाटी के 151 बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अरुणाचल प्रदेश के तवांग में 9 दिसंबर की रात को यह घटना हुई थी. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के 300 से ज्यादा सैनिक 17 हजार फीट की ऊंचाई पर एक चोटी की ओर बढ़ रहे थे, जिसका भारतीय सेना के जवानों ने विरोध किया. इस पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़प हो गई. भारत के 125 सैनिकों ने उनको वापस खदेड़ दिया. बताया जा रहा है कि तवांग क्षेत्र में चीनी सेना के जवान भारत के एक पोस्ट को हटाना चाहते थे.इस घटना के बाद तवांग में सेना अलर्ट पर है. इस झड़प के बाद भारत और चीन के कमांडरों ने फ्लैग मीटिंग की, ताकि क्षेत्र में शांति बनी रहे. आपको बता दें कि अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में एलएसी के पास कुछ ऐसे इलाके हैं,

साईबर धोखाधड़ी के मामले में हजार करोड़ की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को लोकसभा को सूचित किया कि साइबर और क्रिप्टो संपत्ति धोखाधड़ी से संबंधित 1000 करोड़ रुपये से अधिक के अपराध को धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत कुर्क या जब्त कर लिया गया है. इसके अलावा, अप्रैल 2019 और नवंबर 2022 के बीच ऐसी कंपनियों द्वारा अनुमानित जीएसटी चोरी लगभग 22,936 करोड़ रुपये थी.वित्त मंत्रालय ने एक लिखित उत्तर में कहा कि प्रवर्तन निदेशालय साइबर और क्रिप्टो संपत्ति धोखाधड़ी से संबंधित कई मामलों की जांच कर रहा है, जिसमें ऑनलाइन गेमिंग आदि का उपयोग धोखाधड़ी करने और उससे होने वाली आय की हेराफेरी करने के लिए किया गया है.

उन्होंने कहा, इन मामलों में, 6 दिसंबर, 2022 तक, धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत 1000 करोड़ रुपये से अधिक के अपराध की आय को जब्त/ फ्रीज किया गया है. साथ ही, 02 पूरक पीसी सहित 10 अभियोजन शिकायतें (पीसी) विशेष न्यायालय, पीएमएलए, के समक्ष दायर की गई हैं.इसके अलावा, इसने कहा कि जहां तक वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की चोरी का संबंध है, सीबीआईसी के गठन ने भारत के साथ-साथ विदेशों में स्थित कुछ गेमिंग कंपनियों (ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों सहित) के खिलाफ जांच शुरू की है. अप्रैल 2019 से नवंबर 2022 की अवधि के दौरान इन कंपनियों द्वारा जीएसटी की अनुमानित चोरी 22,936 करोड़ रुपये आंकी गई है

संसद में राजनाथ सिंह के बयान के बाद अब चीन की आई प्रतिक्रिया

नई दिल्ली।अरुणाचल प्रदेश के तवांग में भारतीय सेना और चीनी सैनिकों के बीच झड़प के मामले में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में सरकार का पक्ष रखा. उन्होंने कहा कि सीमा पर हमारे जवानों ने बेहद बहादुरी ने चीनी सैनिकों को न सिर्फ मुंहतोड़ जवाब दिया, बल्कि उन्हें उल्टे पांव लौटने पर मजबूर भी कर दिया. रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत का एक भी सैनिक न तो गंभीर रूप से घायल हुआ और न ही कोई शहीद हुआ. रक्षा मंत्री ने कहा कि इस झड़प के बाद दोनों पक्षों की ओर से फ्लैग मीटिंग हुई, और फिर दोनों पक्ष अपने पूर्व स्थान पर वापस चले गए. रक्षा मंत्री ने लोकसभा में 12 बजे अपना बयान दिया, तो राज्यसभा में 12.30 बजे के बाद. अब इस मामले में चीन की भी प्रतिक्रिया आई है. चीन ने कहा है कि हिंसक घटना की रिपोर्ट्स के बाद स्थिति भारत सीमा पर 'स्थिर' है. दोनों तरफ से राजनीतिक और कूटनीतिक स्तर पर मामलों को सुलझाया जा रहा है.रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में कहा कि 9 दिसंबर की घटना के बाद स्थानीय कमांडर ने 11 दिसंबर 2022 को अपने चीनी समकक्ष के साथ स्थापित

व्यवस्था के तहत एक फ्लैग मीटिंग की और इस घटना पर चर्चा की. उन्होंने कहा कि हमारी तरफ से चीनी पक्ष को इस तरह के एक्शन के लिए मना किया गया और सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए कहा गया. इस मुद्दे को चीनी पक्ष के साथ कूटनीतिक स्तर पर भी उठाया गया है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हमारी सेनाएं हमारी भौमिक अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और इसके खिलाफ किसी भी प्रयास को रोकने के लिए सदैव तत्पर हैं. मुझे विश्वास है कि यह सदन हमारी सेनाओं की वीरता और साहस को एक स्वर से समर्थन देगा.

सुबह की थी अहम बैठक–इससे पहले, उन्होंने सुबह इस मामले में दिल्ली में अहम बैठक की. इस बैठक में सीडीएस जनरल (रि) अनिल चौहान के साथ ही तीनों सेना के प्रमुखों ने भी हिस्सा लिया और तवांग में चल रही गतिविधियों पर अपनी बात रखी. उन्होंने सेना की तैयारियों को भी रक्षामंत्री को ब्रीफ किया. बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और सेना प्रमुख मनोज पांडे ने चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा स्थिति पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को जानकारी दी.

नगर परिषद रन्नौद अधिकारियों की बड़ी लापरवाही गरीब खा रहे हैं दर-दर की ठोकरें

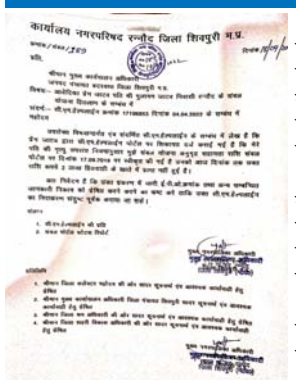

संवाददाता प्रदीप जैन रन्नौद

पति की मृत्यु के लगभग चार साल बाद भी विधवा महिला प्रेम बाई जाटव पत्नी स्वर्गीय मुलायम जाटव निवासी रन्नौद को संबल योजना के तहत मिलने वाली राशि दो लाख रुपए आज दिनाक तक नहीं मिली है कार्यालयों के चक्कर लगा लगा कर थक गई है आवेदिका सिस्टम में एक लोग लापरवाह नजर आ रहे हैं सीएम हेल्प लाइन को भी गंभीरता से नहीं लेते अधिकारी आवेदिका ने चार मार्च 2022 को सीएम हेल्प लाइन मैं भी शिकायत की थी लेकिन आज दिनाक तक कोई संतुष्टि बाला जवाब नहीं आया आवेदिका के पति की मृत्यु वर्ष 2018 को हुई थी आर्थिक साहयता का प्रकरण जनपद पंचायत बदरवास मैं अटका हैं आज भी शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं को आमजन तक पहुंचने में आखिर वर्षों का समय क्यों लग रहा हैं क्या शासन का सहयोग प्रशासन में बैठे अधिकारी नहीं कर रहे मामला समझ से परे है

शिवपुरी मैं दिखाई दिया अंधा कानून जगाने के लिए पीड़ित लगा रहा है चक्कर

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर जिले के करैरा में दबंगों ने गरीब की जमीन पर कब्जा कर रोजाना गाली गलौज करने का मामला सामने आया है आज पीड़ित शिवपुरी कलेक्टर के पास पहुंचे, लेकिन प्रशासन अभी भी दबंगों के आगे नमस्तक दिखाई दे रहा है मामला कुछ युहीं है कि पुलिस चौकी अमोल पठा के अंतर्गत ग्राम जयनगर में दबंगों ने बंसी लोधी की 10 बीघा जमीन पर अवैध कब्जा कई सालों से कर रखा है जिसकी शिकायत पीड़ित कलेक्टर एसपी से बार-बार कर रहे हैं लेकिन पीड़ितों की अभी तक कोई सुनवाई नहीं हो रही है । उक्त पट्टा भूमियो पर जगत सिंह लोधी, ग्यासी लोधी, मलखान लोधी, सिरनाम लोधी पुत्रगण धीरज सिंह लोधी निवासीगण ग्राम जयनगर द्वारा कब्जा कर रखा है। आपत्ति करने पर आरोपीगण गालीगलोच कर मारने को आमादा हो जाते रहे हैं।पुलिस चौकी अमोला में शिकायतें की गई तहसील व जिला स्तर पर भी शिकायतें की गई लेकिन अवैध कब्जा नहीं हटवाया गया। विवश होकर प्रार्थी द्वारा म0प्र0भू0रा0सं0 की धारा 250 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया गया जिसमें आरोपीगण को दोषी मानते हुए उनका अवैध कब्जा हटवाने के आदेश दिये गये, जुर्माना भी अधिरोपित किया गया था। आरोपीगण द्वारा माननीय न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी करैरा के समक्ष अपील प्रस्तुत की गई परन्तु माननीय न्यायालय द्वारा सनुवाई उपरांत अपील निरस्त कर दी गई। पारित आदेश के पालन में आरोपीगण के विरूद्ध 15 दिवस की कालावधि के लिये सिविल जेल की कार्यवाही की गई है लेकिन आज दिनांक तक आरोपीगण द्वारा कब्जा नहीं छोड़ा गया है। विदित हो कि अनुविभागीय अधिकारी महोदय करैरा द्वारा आरोपीगण को स्वयं आदेशित किया था कि कब्जा छोड़ देना, हिंसा नहीं करना । इस पर आरोपीगण द्वारा चाहा गया आश्वासन तो दिया था परन्तु मौके पर कब्जा नहीं छोड़ा है। विचारणीय है कि सम्बन्धित न्यायालयों के आदेशों के बाबजूद, सिविल जेल की कार्यवाही के बाबजूद भी दबंग व आपराधिक प्रवृत्ति के आरोपीगण द्वारा आज दिनांक तक कब्जा नहीं छोड़ा गया है। पीड़ित ने अपनी भूमि के भाग में जब गेंहू की बुबाई की तो तब आरोपीगण ने पीड़ित पर जानलेवा हमला कर दिया,बंशी लोधी का सिर फट गया था (इलाज के दौरान 12 टांके लगाये गये थे)। पुलिस चौकी आमोलपटा में प्रकरण दर्ज किया गया है, आरोपीगण की जमानत हो चुकी थी,लेकिन अभी भी दबंग अपनी दबंगाई के द्वारा प्रशासन को भी झुकाये हुए हैं

ओबीसी महासभा के देश व्यापी ज्ञापन कार्यक्रम के तहत ओबीसी महासभा

कोलारस ने पिछड़े वर्ग के मुद्दों को लेकर दिया अनुविभागीय अधिकारी कोलारस को ज्ञापन

अरुण कुशवाह कोलारस रिपोटर पुष्पांजलि टुडे ज्ञापन देने वालों में वीरेंद्र लोधी , गोपाल शिवहरे , मोहन सिंह धाकड़ , करतार सिंह कुशवाह अरविंद कुशवाह , तपेन्द्र जाटव , भोला जाटव , लालेश कोली , धर्मेंद्र ओझा , धर्मेंद्र धाकड़ , एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

307 के फरार आरोपी को घटना मे प्रयुक्त 312 बोर का कट्टा, एक जिंदा राउण्ड व एक खाली खोके के साथ किया गिरफ्तार

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-खबर जिले के दिनारा थाना से है जहाँ पुलिस अधीक्षक शिवपुरी राजेश सिंह चंदेल के निर्देशन मे शिवपुरी पुलिस द्वारा पेंडिंग अपराधों मे फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु कार्यवाही की जा रही है, जिसके चलते अति. पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण कुमार भूरिया एवं एसडीओपी करैरा श्री संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन मे पुलिस थाना दिनारा द्वारा कार्यवाही करते हुये थाने के अपराध क्रमांक 270/2022 धारा 294,323,307 आईपीसी मे फरारसुदा आरोपी को मय एक 312 बोर के देशी कट्टा, एक जिंदा राउण्ड व एक कारतूस के खाली खोके के साथ गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया है । थाना प्रभारी दिनारा द्वारा मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुये थाने के अपराध मे फरार सुदा आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम बनाकर मुखबिर के बताये स्थान पर भेज कर आरोपी को मय घटना मे प्रयुक्त 12 बोर के कट्टा, एक जिंदा राउण्ड व एक खाली खेके के गिरफ्तार करने मे सफलता हांसिल की है ।उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी दिनारा रामराजा तिवारी, एएसआई सोबरन सिंह सिसोदिया, विनोद गौतम, प्रधान आरक्षक दीपक उपाध्याय, रमाशंकर माझी, मनोज यादव, पुष्पेंद्र सिंह चौहान, रामवीर पाल की सराहनीय भूमिका रही ।

मप्र राज्य मार्शल आर्ट अकादमी के जूडो खेल में हुआ छः खिलाड़ियों का चयन

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के प्रयासों से माधवराव सिंधिया खेल परिसर में संचालित जिला जूडो प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे छः जूडो खिलाड़ियों का चयन म.प्र. राज्य मार्शल आर्ट अकेडमी के जूडो खेल में हो गया है। यह पहली बार है जब छः खिलाड़ी चयनित होकर टी.टी नगर स्टेडीयम भोपाल गये हैं। शहर के ये सभी खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते नड़र आएँगे।चयनित खिलाड़ियों में युवराज सिंह राना, उदयांश सिंह साहा, राम लखन गुर्जर, मयंक परिहार, शिवानी और यूसरा ड़ातिमा शामिल हैं। यह सभी खिलाड़ी श्रीमंत माधवराव सिंधिया खेल परिसर में शिशुपाल सिंह रघुवंशी जूडो प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में जूडो के गुर सीख रहे थे। सभी खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में मेडल ले चुके हैं। अब इन खिलाड़ियों को मार्शल आर्ट अकैडमी में शासन द्वारा प्रशिक्षण, खेल सामग्री, प्रशिक्षण के टूल, मेडिकल किट, शिक्षा, भोजन व्यवस्था, अतिरिक्त डाइट और कॉम्पटिशन इक्स्पोड़र की सुविधाएँ दी जाएगी।खेल अधिकारी के के खरे ने बताया कि खेल परिसर का वातावरण खेल प्रशिक्षण के लिए बहुत ही अच्छा है। यहाँ प्रतिदिन बहुत खिलाड़ी आते हैं। उनमें से कई खिलाड़ी राज्य स्तर पर खेल रहे है। परिसर में अभी रेजिस्ट्रेशन प्रकिया जारी है जिनको अपना भविष्य खेल में बनाना है वे यहाँ आए और खेल के गुर सीखें। चूंकि शनिवार और रविवार को कॉलेज और स्कूल के अवकाश होते है इसलिए शनिवार और रविवार को खेल परिसर खिलाड़ियों के लिए ओपन किया हुआ है। अब अवकाश वाले दिन खिलाड़ी यहाँ आ सकते हैं। अब ड़िले के ये जूडो खिलाड़ी भी उच्च स्तर पर खेलेंगे और शिवपुरी ड़िले का नाम रोशन करेंगे।

अखिल भारतीय कश्यप-कहार-निषाद-भोई समन्वय समिति के राष्ट्रीय अधिवेशन में पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री

धार्मिक मान्यताओं, भारतीय इतिहास के साथ ही देश के विकास में जल पोषित समाज का महत्वपूर्ण स्थान है डॉ रमन सिंह

रायपुर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय आदिवासी, कश्यप, कहार, निषाद समन्वय समिति के वर्ष 2022 के द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होकर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ के पावन धरती पर समाज के प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि समाज का स्थान न केवल हमारे देश के प्राचीनतम इतिहास में समाहित है बल्कि पुरे सम्मान के साथ धार्मिक मान्यताओं में भी अंकित है यह ऐसा समाज है जिन्होंने समाज और देश को जोड़ने का काम किया है। जलपोषित समाज के अन्दर इतनी ताकत है जिन प्रभु श्री राम के नाम से वैतरणी पार कर जाते है ऐसे प्रभु रामचन्द्र जी और सीतामाई को भी नदी पार करनी थी तब समाज का आशीर्वाद व सहयोग लेना पड़ा यह अपने आप में अद्भुत बात है, पौराणिक काल से समाज की मान्यता,भूमिका, सम्मान रहा है। समुद्र के किनारे समुद्री सीमा से जब विदेशी आक्रंताओं ने आक्रमण किया तब उनके प्रहार से जूझते हुए सबसे पहला संघर्ष जलपोषित समाज ने किया है।पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इंद्रु केवट जी को प्रणाम करते हुए कहा कि बिलासपुर के नाम की जननी बिलासा माता को प्रणाम किया। उन्होंने आगे कहा कि जब छत्तीसगढ़ में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तब हमारी सरकार ने जो पहली कुछ नीतियां बनाई उसमें मछुआरों के हित के लिए नीति शामिल थी। उन्होंने छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार रहते हुए बहुत सारी योजनाओं का निर्माण की बात कही और कहा कि छत्तीसगढ़ भौगोलिक स्तर से नदियों का प्रदेश कहा जाता है जिसमे महानदी ,अरपा, पैरी, शिवनाथ जैसी बहुत सी नदियां प्रवाहित है। उन्होंने बताया कि भाजपा काल में छत्तीसगढ़ सरकार ने 500 से ज्यादा अनिकट निर्मित किए जिससे पुरे माह छत्तीसगढ़ में पानी बहता रहा। पंचायतों को सशक्त कर मछुवा समाज को सुदृढ़ करने के लिए प्राथमिकता दी गई। समाज के लिए आर्थिक, नए तकनीक का निर्माण, मत्स्य पालन हेतु नए तालाब का निर्माण किया।छत्तीसगढ़ में तालाबों की संख्या को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी ने मत्स्य संपदा योजना से पहले भी इस समाज के लिए कई विभिन्न कार्य किए है जैसे मत्स्य पालन हेतु नए तालाब का निर्माण, नर्सरी, बीज पालन आदि की व्यवस्था गई। इसके अंतर्गत नवीन तालाब निर्माण के लिए 7 लाख प्रति हेक्टेयर की व्यवस्था, मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देने मत्स्य पालक जलाशयों में 50त्न शासकीय व्यय पर मत्स्य अंगुलिका संचयन पर सहायता दी गई है। इसके उपरांत डॉक्टर रमन सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी ने मछुवा समाज कि चिंता करते हुए 20 हजार करोड़ की कार्य योजना बनाई। जिसका सीधा लाभ समाज को मिला है इसके साथ ही उन्होंने जल पोषित समाज द्वारा प्रस्तुत ज्ञापन में अंकित आरक्षण के विषय पर कहा कि इसके लिए हम दिल्ली में वरिष्ठ पदाधिकारियों के बीच आप सभी की बात रखेंगे और पूरे प्रयास करेंगे।

देवीलाल की मौत पर कलेक्टर ने की कार्यवाही

05 नर्सिंग ऑफिसर निलंबित, प्रभारी डॉक्टर सहित सिविल सर्जन को नोटिस

सिविल सर्जन ने 4 सफाईकर्मी को हटाया तथा सुपर बाइजर को नोटिस थमाए

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

शिवपुरी, / जिला अस्पताल के सर्जरी वार्ड में बने शौचालय में देवी लाल शाक्य का शव मिलने पर कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने कड़ी कार्यवाही करते हुए सर्जरी विभाग की 05 नर्सिंग ऑफिसर को निलंबित कर दिया वहीं सर्जरी विभाग के प्रभारी चिकित्सक सहित सिविल सर्जन को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। इस मामले में सिविल सर्जन द्वारा तत्काल 4 सफाई कर्मियों को सेवा मुक्त कर दिया गया है तथा सफाई सुपरवाईजर सहित अन्य स्टाफ को नोटिस जारी करने की कार्यवाही की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पवन जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला चिकित्सालय शिवपुरी में 9 दिसम्बर को पेट में दर्द की शिकायत को लेकर भर्ती हुआ। 40 वर्षीय देवीलाल शाक्य पुत्र तेजाराम शाक्य निवासी घोसीपुरा कमलागंज का शव 12 दिसम्बर 22 को सर्जरी विभाग के शौचालय में पड़ा हुआ प्राप्त हुआ था। इसे कलेक्टर शिवपुरी ने संज्ञान में लेते हुए सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पवन जैन के प्रस्ताव अनुसार प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर सर्जरी वार्ड प्रभारी नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती कमला नगेशिया, नर्सिंग ऑफिसर कु. मोनिका कटारे, नर्सिंग ऑफिसर कु. सभ्या पवारे, नर्सिंग आफीसर सुश्री शायला खान, वार्ड वाय सुनील योगी के निलंबन की कार्यवाही की अनुशंसा की है। इसके अतिरिक्त सर्जरी वार्ड के प्रभारी चिकित्सक डॉ.पंकज गुप्ता तथा सिविल सर्जन डॉ.राम कुमार चौधरी को भी कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पवन जैन ने बताया कि इसके अतिरिक्त मामले की विस्तृत जांच के लिए सिविल सर्जन द्वारा चार सदस्यीय जांच दल का गठन भी किया गया है। जो दो दिवस में जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगा। इससे पूर्व सिविल सर्जन डॉ.आरके चौधरी द्वारा जहां 4 सफाई कर्मियों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया वहीं सफाई सुपरवाइजर नीतेश शर्मा व बलराम कुशवाह सहित नर्सिंग ऑफिसर और चिकित्सक को नोटिस जारी करने की कार्यवाही की है

पूर्व मंत्री राजेश मूणत की अगुवाई में बीजेबाई एम ने किया बिजली दफ्तर का घेराव

पुलिस की घेराबंदी हुई विफल, बिजली दफ्तर में दाखिल हुए कार्यकर्ता ,बिजली वृध्दि के विरोध में उमड़ा जनसैलाब ,उद्योगपतियों का बिजली बिल माड़ कर रही है भूपेश सरकार, गरीब के बिल

रायपुर/। भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पूर्व मंत्री राजेश मूणत की अगुवाई में मंगलवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के बैनर तले रायपुर के गुढ़ियारी स्थित बिजली दफ्तर का घेराव किया। बिजली बिल वृद्धि के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने दोपहर एक बजे बिजली दफ्तर का घेराव कार्यक्रम शुरू किया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं की बीच झड़प देखने मिली। भारतीय जनता युवा मोर्चा के इस प्रदर्शन के दौरान युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत समेत पार्टी के कई पदाधिकारी शामिल हुए। जिसमें पूर्व विधायम नंदकुमार साहू, वरिष्ठ नेता मोतीलाल साहू, प्रदेश प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव ,युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और प्रवक्ता अमित साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, लक्ष्मी वर्मा समेत कई वरिष्ठ नेताओं थे।

नहीं काम आ सकी पुलिस की घेराबंदी-पूर्व मंत्री राजेश मूणत की अगुवाई में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पुलिस की घेराबंदी के बावजूद बिजली दफ्तर का घेराव करने सफलता पा ली। मौके पर मौजूद पुलिस फोर्स कार्यकर्ताओं को रोक नहीं सकी और घेराबंदी के लिए लगाए गए बैरिकेड को पार करते हुए कार्यकर्ता बिजली दफ्तर के भीतर दाखिल हो गए और अपनी आवाड़ बुलंद की।

मूणत ने लगाया कांग्रेस सरकार पर उद्योगपतियों का बिजली बिल माड़ करने **का आरोप-**पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने कहा कि जनता में भूपेश बघेल सरकार ने जनता के साथ वादाखिलाफी की है। जनघोषणा में वादे के मुताबिक बिजली बिल हाफ नहीं किया है ,बल्कि बिजली बिल में चार गुना की वृद्धि कर दी है ,जिसके कारण जनता में आक्रोश है। मूणत ने कहा कि मैंने अगर मैंने रायपुर पश्चिम क्षेत्र में काम किया है,तो जनता का आशीर्वाद जरूर मिलेगा। मूणत ने बिजली दफ्तर घेराव से पहले आयोजित सभा क दौरान कहा कि एक रिक्शा चालक ने उन्हें बताया है की उसके घर में 5000 बिजली का बिल आया है। उन्होंने कहा कि आदर्श नगर में जनसम्पर्क के दौरान महिलाओं ने उन्हें बताया है कि 7 से 12 हड़ार रुपये तक का बिल आ रहा है,इसका भुगतान गरीब परिवार नहीं कर सकता है। मूणत ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार अपने बजट में उद्योगपतियों के बिजली का बिल माड़ कर रही है और उन्हें 37 करोड़ रुपये की सब्सिडी दे रही है।

बिगड़ती कानून व्यवस्था पर कसा तंज, मूणत ने कहा- जिन्हे पुलिस पकड़ती है, कांग्रेस के लोग उन्हें छुड़वा लेते हैं मूणत ने कहा कि कोरोनाकाल में गरीब परिवार परेशान थे, केंद्र सरकार ने 5 किलो प्रति व्यक्ति चावल मुफ्त में दिया,लेकिन छत्तीसगढ़ की झूठी सरकार ने चावल गरीबो को देने के स्थान पर उसे खुद खा गई। मूणत ने कहा कि हम बिजली बिल का विरोध करने निकले हैं,तो पूरे इलाके में घेराबंदी कर दी है। अगर पुलिस अपराध पर लगाम कसने में सफल होती,तो हम उनका स्वागत करते,लेकिन अभी हालत ऐसी है कि पुलिस किसी को पकड़ती है,तो कांग्रेस के नेता उसे थाने से छुड़वा लेते हैं।

मूणत ने दिया ÷कांग्रेस पीछा छोड़ो÷ का नारा

-पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने कांग्रेस पार्टी की तरफ से निकाली जाने वाली हाथ जोड़ो यात्रा पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस एक यात्रा निकालने वाली है,जिसका नाम हाथ जोड़ो यात्रा है,लेकिन जनता कांग्रेस से कह रही है कि पीछा छोडो ,जाओ घर । उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस के झूठ से त्रस्त हो चुकी है और 2023 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में जनादेश देगी।

साइंस कॉलेज में चौपाटी का विरोध करेगी भाजपा-मूणत ने कांग्रेस सरकार और नगर निगम प्रशासन पर आरोप लगाया कि वह गरीब ठेले वालों से उनका रोजगार छीनने का षड़यत्र रच रही है। उन्होंने खुलासा किया कि नगर साइंस कॉलेज मैदान के पास ठेले वालो को हटाकर चौपाटी बनाने की योजना बनाई गई है,जिसका भारतीय जनता पार्टी विरोध करेगी। मूणत ने ऐलान किया कि वह कल बुधवार को दोपहर 2 बजे चौपाटी के लिए प्रस्तावित स्थान पर अपने कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचकर धरना देने के साथ चक्काजाम करेंगे। उन्होंने जनता से भी इस विरोध प्रदर्शन में इकठ्ठा होकर अपना विरोध दर्ज कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी 27 दिसंबर को पीएम आवास योजना के तहत गरीबो का मकान छीनने के विरोध में और गरीब परिवारों को पट्टा देने की मांग लेकर नगर निगम का घेराव करेगी।

प्रदर्शन में शामिल हुए कई भाजपा पदाधिकारी-श्री नंदकुमार साहू जी पूर्व विधायक, श्री ज्ञान चंद चौधरी, श्री सुनील चौधरी,श्री मोतीलाल साहू श्री संजय श्रीवास्तव जी श्री रवि भगत जी प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा श्री राजीव अग्रवाल जी श्रीमती लक्ष्मी वर्मा जी सीमा संतोष साहू जी कमली देवानंद जी श्री विनोद अग्रवाल श्री राजेंद्र को दावत श्रीमती गोदावरी गज्जू साहू राजेश पांडे श्री राजेश ठाकुर श्री दीपक जयसवाल श्री आशु चंद्रवंशी श्री हरीश ठाकुर श्री अमरजीत छाबड़ा श्री सुभाष तिवारी श्री मृत्युंजय दुबे श्री मनोज वर्मा श्री अशोक पाण्डेय जी, श्री ओंकार बैस जी, श्री प्रफुल्ल विश्वकर्मा जी, श्री बजरंग खंडेलवाल जी, श्री नवीन शर्मा जी, श्री पुरषोत्तम देवांगन जी, श्री गोवर्धन खंडेलवाल जी, श्री सत्यम दुवा जी, श्री आशु चंद्रवंशी जी, श्री गोपी साहू जी, युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री, श्री अमित मैसेरी जी युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष, श्री गोविंदा गुप्ता जी, मंडल अध्यक्ष श्री बी श्रीनिवास राव जी, श्री भुपेन्द्र ठाकुर जी, श्री प्रितम ठाकुर जी, श्री अनिल सोनकर जी, मंडल महामंत्री, श्री संजय सिंह जी, श्री राजीव श्रीवास जी, श्री विकास सेठिया जी, श्री संतोष साहू जी, श्री दिनेश शर्मा जी, श्री नवीन सिंह जी, श्री पुरषोत्तम मोहले जी, श्री गजानंद साहू जी, युवा मोर्चा प्रभारी, श्री अश्वनी विश्वकर्मा जी, श्री प्रणय साहू जी, श्री ऋतुराज शर्मा जी, श्री वासु ठाकुर जी, श्री विशाल पाण्डेय जी, श्री शंकर साहू जी, श्री आशीष त्रिपाठी जी, श्री युवा मोर्चा अध्यक्ष, श्री शुभांकर द्विवेदी जी, श्री विनय जैन जी, श्री चंद्रप्रकाश शर्मा जी, श्री सुरेन्द्र साहू जी, राजेश ठाकुर सुनील चंद्राकर भोलाराम साहू कामिनी देवांगन ,गोदावरी साहू ,विनोद अग्रवाल रजियंत ध्रुव , कमलेश बसंत वर्मा , दीपक जायसवाल, हेमेंद्र साहू , शमसुन निशा , शकुन ठाकुर, अनिता पंडित, सुमन सिंह, बजरंग निषाद, नारद कौशल, मृत्युंजय दुबे, मनोज वर्मा , श्रीमती मीनल चौबे, रमेश ठाकुर,जयंती पटेल, संजू नारायण सिंह, तुषार चोपड़ा ।अर्पित सूर्यवंशी, राहुल राव, राजीव अग्रवाल , मोतीलाल साहू , श्रीमती लक्ष्मी वर्मा प्रमोद साहू, अमित साहू,वासु शर्मा , डॉ.राजू मार्कण्डेय

जिला अस्पताल के सामने आये दिन धरने प्रदर्शन, मरीजों एवं राहगीरों कों हो रही है,परेशानी शासन प्रशासन मौन

संदिग्ध अवस्था में फांसी पर लटका मिला युवक का शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

ब्यूरो रिपोर्ट -रीतेश अवस्थी

दमोह। दमोह शहर से कुछ ही दूरी पर बालाकोट के पास एक खेत में युवक का शव पेड़ से लटका मिला, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार घनश्याम पिता दच्चू अहिरवार निवासी खेतसिंग हिंनौती थाना नोहटा है,मृतक कि उम्र 28 वर्ष बताई जा रही है जिसका शव संदिग्ध अवस्था में पेड़ लटका मिला। परिवार वालों के मुताबिक युवक कि हत्या कर फांसी पर लटका दिया गया है,क्योंकि उसके शरीर पर चोट के निशान है जिससे यह प्रतीत होता है कि उसे मार कर फांसी पर लटका दिया गया हो। मृतक के पिता द्वारा बताया गया कि बेटा जिंदल कम्पनी में सुपरवाइजर का काम करता था, और उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुये कहाँ कि मेरा बेटा जिस कम्पनी में काम करता था वहां उसके ठेकेदार द्वारा उसे लगातार छुआछूत के लिए परेशान किया जा रहा था।भीम आर्मी के सक्रिय सदस्य कोमल अहिरवार द्वारा बताया गया कि पुलिस प्रशासन मर्ग कायम करने कि बात परिवार जन से कह रही है लेकिन 302का मुद्दमा ठेकेदार पर दर्ड़ नहीं कर रही है कोमल अहिरवार द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री पर भी गंभीर आरोप लगाते हुये कहाँ कि इन्हे दलित समाज कि चिंता नहीं है जिसका खामियाजा उन्हें आगामी 2023 के चुनाव में भुगतना पड़ेगा क्योंकि दलित समाज अब इसे सहन नहीं करेंगी और इसका जबाब आगामी समय मे देंगी।मृतक के पिता द्वारा बताया गया कि अगर कम्पनी के ठेकेदार पर पुलिस प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं कि जाती है तो में अपने बेटे कि लाश कों आग नहीं दूंगा और अपने पूरे परिवार के साथ आत्मदाह करुँगा।धरना देर शाम तक चलता रहा जिसमें शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कि गयी, कई घंटो तक जाम के हालात बने रहे।पुलिस हमेशा निष्पक्ष जांच करती है, जांच होने बाद अगर कोई ऐसी घटना में दोषी पाया जाता है तो निश्चित रूप से कार्यवाही कि जाएंगी।

पुलिस अधीक्षक, दमोह

जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती एवं पीएम रिपोर्ट नहीं आ तब कुछ नहीं कहाँ जा सकता, रिपोर्ट आने के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे उस पर वैधानिक कार्यवाही कि जाएंगी।भावना दांगी

नगर निरीक्षक दमोह

दलितों पर लगातार अत्याचार हो रहे है जिस पर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है,आज हम सभी शव कों धरने स्थल पर रखे है जब तक पुलिस उचित कार्यवाही नहीं करती है हम इसी तरह धरने पर बैठे रहेंगे क्योंकि पुलिस प्रशासन एफ. आई. आर दर्ड़ नहीं कर रही है।

कोमल अहिरवार
भीम आर्मी नेता

भूतेश्वर में गरियाबंद जिला मेट संघ की बैठक संपन्न

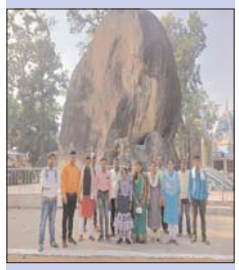

दर्रीपारा। मंगलवार को भूतेश्वर नाथ मंदिर प्रांगण में गरियाबंद जिला मनरेगा मेट कर्मचारी कल्याण संघ की द्वितीय बैठक आहूत की गई। जिसमें संघ के कल्याण हेतु विभिन्न विषय पर चर्चा की गई। रोजगार सहायकों के रिक्त पदों पर भर्ती में प्राथमिकता,मेट भर्ती पर रोक , मेट राशि को मजदूरों के साथ भुगतान करने जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर गरियाबंद जिला मेट संघ के अध्यक्ष परमेश्वर साहू, उपाध्यक्ष सोहन शर्मा,सचिव टिकेश्वर यादव, कोषाध्यक्ष प्रकाश चंद शर्मा, मीडिया प्रभारी युगल सोनी, पन्नू नेताम सदस्यगण भजन लाल यादव,अमरू मरकाम, रितिक डोंगरे ,खगेश्वर बघेल, जितेंद्र पटेल, टोमेश्वर साहू महिला सदस्य श्रीमती मुक्ता पटेल,लता सोनी,अनीता साहू,मेनका यादव आदि उपस्थित थे।

सफाई कर्मचारियों को अर्जित अवकाश एवं महंगाई भत्ता का लाभ दिया जाए गुड्डु वाल्मीकि

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने वाल्मीकि बस्ती में सफाई कर्मचारियों की बैठक कर समस्याओं को सुना

दैनिक पुष्पांजली टुडे

आलमपुर । राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी मजदूर यूनियन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष गुडडू वाल्मीकि ने आलमपुर प्रवास पर सफाई कर्मचारियों की बैठक लेकर समस्याओं को सुना तथा समस्याओं के निराकरण के लिए नगर परिषद आलमपुर सीएमओ अमजद गनी एवं अध्यक्ष मेहताब सिंह कौरव को 5 सूत्री मांग पत्र सौंपा।पत्र के माध्यम से एडवोकेट श्री वाल्मीकि ने बताया है कि नगर परिषद आलमपुर में सफाई कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के लगभग 10 वर्ष होने पर अर्जित अवकाश की राशि का भुगतान नहीं हुआ है और न ही स्थाई सफाई कर्मचारियों के एनपीएस खाते खोले हैं तथा अस्थाई सफाई कर्मचारियों को महंगाई भत्ता, विनियमितिकरण का लाभ नहीं दिया गया है जिससे सफाईकर्मियों का भविष्य अंधकार की ओर है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहां है अगर समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ तो यूनियन द्वारा उच्च अधिकारियों से शिकायत कर वैधानिक कार्यवाही की मांग की जाएगी। सीएमओ एवं अध्यक्ष ने आश्वस्त किया है कि समस्याओं का शीघ्र निराकरण कर शासन की योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। इस मौके पर यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव रूपेश पाथरे मीडिया प्रभारी रजत बंटी पाथरे,जिलाध्यक्ष लालजी करोसिया,संजीव,राजीव,विवेक, अवधेश,दीपक आदि सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ का प्रदेश स्तरीय धरना आंबेडकर पार्क भोपाल में संपन्न

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के आव्हान पर 12 दिसंबर को आंबेडकर पार्क भोपाल में आयोजित प्रदेश स्तरीय धरना आंदोलन में भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष एनपी सिंह, क्षेत्रीय संगठन मंत्री धर्मदास शुक्ला, प्रदेश महामंत्री मधुकर सावले, सह महामंत्री अरविंद मिश्रा, संगठन मंत्री निरंजन सिंह, प्रभारीमंत्री एलियन मारू, फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राजन नायर की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान प्रदेश के समस्त जिलों के 3000 से अधिक पदाधिकारी उपस्थित रहे। माननीय मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में सामान्य वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष व मुख्यमंत्री के सलाहकार शिव चौबे एवं कर्मचारी कल्याण आयोग के अध्यक्ष रमेशचंद्र शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे एवं उन्होंने प्रदेश सरकार की ओर से प्रदेश स्तरीय मांगो का ज्ञापन प्राप्त किया। और मुख्यमंत्री से चर्चा करके शत प्रतिशत लंबित मांगे शीघ्र निराकरण करने के लिए आश्वत किया गया है। प्रशासन की ओर से मुख्य सचिव इकबाल सिंह के द्वारा अधिकारी कर्मचारियों की लंबित मांगों पर चर्चा के लिये आमंत्रित किए गये प्रतिनिधिमंडल में भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री मधुकर सावले, क्षेत्रीय संगठन मंत्री, धर्मदास शुक्ला के नेतृत्व में मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष विश्वजीत सिसोदिया, प्रदेश महामंत्री हेमंत श्रीवास्तव, प्रदेश कोषाध्यक्ष अनिल एडमिन के द्वारा बताया गया कि मुख्य सचिव इकबाल सिंह से चर्चा की। मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ की 31 सूत्रीय मांगों पर सकारात्मक चर्चा हुई। जिसमें प्रदेश के आर्थिक मांगों को शीघ्र निराकरण कर

आदेश जारी करने पर सहमति हुई।

इन विषयों पर बन सकती हैं बात–आगे चर्चा करने पर प्रदेश महामंत्री हेमंत श्रीवास्तव ने बताया कि कर्मचारियों का जीआईएस में वृद्धि कैशलेस बीमा पॉलिसी अनेक पदों के नाम परिवर्तन सहित, शिक्षकों की 300 दिवस का अर्जित अवकाश पूर्व की भांति किए जाने पर सहमति हुई। समस्त विभागों की वेतन विसंगति पर शीघ्र एक कमेटी का गठन किया जा कर वेतन विसंगति दूर की जावेगी। कर्मचारियों के केंद्र के समान महंगाई भत्ता दिए जाने के साथ गृह भाड़ा भत्ता एवं अन्य भत्ते दिए जाने पर आश्वासन दिया गया, कि सरकार से शीघ्र चर्चा के उपरांत शीघ्र ही आदेश जारी कर दिए जाएंगे। प्रदेश के फार्मासिस्ट की लंबित मांगों पर विस्तृत चर्चा हुई। ग्रेड पे पर सुधार उप स्वास्थ्य केंद्रों में 10286 फार्मासिस्ट की भर्ती फार्मासिस्ट का संविलियन फार्मेसी एक्ट का पालन सुनिश्चित कराने संबंधी अन्य मांगों पर सहमति बनी है। पदोन्नति का मसौदा मंत्री समूह के अनुशंसा के उपरांत निराकृत कर दिया जाएगा । प्रदेश अध्यक्ष विश्वजीत सिंह सिसोदिया ने आए हुए समस्त पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए करते हुए कहा कि समय सीमा में यदि सरकार के द्वारा लंबित मांगों का निराकरण कर आदेश जारी नहीं किए गए तो संगठन अगली रणनीति के लिए तैयार रहने का आव्हान किया है।

बालाघाट से ये हुए शामिल–इस धरना प्रदर्शन आंदोलन में बालाघाट जिले से जिला अध्यक्ष अशोक बिसेन, जिला सचिव बालेश्वर राहंगडाले, जिला प्रचार मंत्री दुर्वेश अंबाड़कर, एवं अन्य साथियों के साथ अधिकारी कर्मचारियों की मांग के समर्थन में धरना प्रदर्शन स्थल पर उपस्थित हुए । इस आशय की संयुक्त विज्ञप्ति जारी कर जिला अध्यक्ष अशोक बिसेन एवं जिला प्रचार मंत्री दुर्वेश अंबाड़कर द्वारा प्रेस को जानकारी दी गई।

बैडमिंटन क्लब के प्रतिनिधि मंडल ने जनपद उपाध्यक्ष से की मुलाकात

बैडमिंटन हॉल के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने की रखीं मांग

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

बालाघाट जिले की विकासखण्ड लांजी में विगत दिनों नगर में बैडमिंटन खेल के खिलाड़ियों के प्रोत्साहन और उन्हें अवसर देने के लिए बैडमिंटन क्लब का गठन किया गया और जनपद पंचायत के समक्ष बैडमिंटन हॉल तैयार किये जाने की मांग रखी गयी थी। चूकि क्षेत्र में त्रिस्तरीय पंचायत के चुनावी कार्यक्रम के चलते तथा चुनाव परिणाम के उपरांत जनपद नेतृत्व में परिवर्तन के चलते बैडमिंटन हॉल निर्माण का कार्य बंद पड़ गया था जिसको लेकर बैडमिंटन क्लब के पदाधिकारियों और खिलाड़ियों के एक प्रतिनिधिमंडल के द्वारा 13 दिसंबर को जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे से इस संबंध में मुलाकात की गई और उन्हें क्लब के उद्देश्य और समस्याओं से अवगत करवाया गया।साथ ही निवेदन किया गया कि जनपद पंचायत परिसर में निर्माणाधीन बैडमिन्टन हॉल निर्माण का कार्य प्रारंभ था, जो कि पिछले 6 महीने से बंद पड़ा हुआ है। जिसे पूर्ण किया जाना अतिआवश्यक है। क्लब के पदाधिकारियों और खिलाड़ियों के द्वारा अजय अवसरे का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत भी किया गया और उन्हें जनपद उपाध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएं भी दी गयी। इस दौरान बैडमिंटन क्लब के संरक्षक संतोष मोरघड़े, डॉक्टर किशोर सोनवाने, डॉक्टर राजेश रणदिवे के साथ अध्यक्ष महेंद्र करहिरे, उपाध्यक्ष नवीन युगेश रामटेककर, सचिव गौरव बैस, सह सचिव कपिल आसटकर, सहसचिव जय श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष मनोज किरनापुरे, सदस्य संजय सिकंदर पूरी, शिवम ठाकरे, आयुष सोमनकर एवं अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। शीतकालीन सत्र में 25 दिसंबर से बैडमिंटन प्रतियोगिता का होगा आयोजन-क्लब के पदाधिकारियों द्वारा श्री अवसरे को अवगत करवाते हुए बताया गया कि प्रतिवर्ष शीतकालीन अवकाश में बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। और प्रतिवर्ष यह आयोजन खुले मैदान में होता है। लेकिन इस बार हमारी कोशिश होगी कि यह आयोजन जनपद परिषद में निर्मित हो रहे हॉल में करवाया जाए, जिसके लिए आपका सहयोग आवश्यक होगा। सभी ने निवेदन किया कि जो भी शेष आवश्यक कार्य है उन्हें 25 दिसंबर के पूर्व पूर्ण करवाया जाएं। इस पर श्री अवसरे द्वारा सभी को आश्वस्त करवाते हुए कहा गया कि हमारे द्वारा 25 दिसंबर के पहले उक्त हॉल को बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए तैयार करवा दिया जाएगा। क्षेत्र में खेलों को लेकर हमसे जो भी बन पड़ेगा हम उसके लिए सदैव तैयार है।

कोरोना में बंद दमोह बीना पैसेंजर ट्रेन को फिर हरी झंडी

ब्यूरो रिपोर्ट -रीतेश अवस्थी

दमोह। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जलशक्ति राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के प्रयासों से एक बार फिर दमोह से बीना दैनिक स्पेशल ट्रेन क्रमांक 01885/18886 कों 13 दिसंबर से पुनः प्रारंभ किया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि नरेंद्र बजाज, विक्की गुप्ता, वाणिज्य प्रबंधक सुनील श्रीवास्तव, केन्द्रीय राज्यमंत्री के सहायक निज सचिव राजकुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने ट्रेन कों हरी झंडी दिखाकर बीना कि ओर रवाना किया। समस्त जनप्रतिनिधियों के द्वारा इस डुगी के मौके पर ट्रेन के ड्राइवर को पुष्प माला एवं मिठाई खिलाकर उनका अभिनंदन किया गया,एवं सभी ने एक दूसरे को मिठाइयां खिलाकर आपस में खुशियां व्यक्त की। गाड़ी में सफर करने वाले यात्रियों को निश्चित रूप से एक बड़ी सुविधा मिलना शुरू हो जाएंगी ।रेलवे प्लेटफार्म पर सांसद प्रतिनिधि नरेंद्र बजाज के अलावा पार्षद विक्रांत गुप्ता, पार्षद रघु श्रीवास्तव, केन्द्रीय राज्यमंत्री के सहायक निज सचिव राजकुमार सिंह, पार्षद प्रतिनिधि सतीश जैन बाबा, माणिकचंद्र सचदेवा, सुशील गुप्ता, महेश पटैल, मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुनील श्रीवास्तव, सादिक खान, जे.एस.मीणा प्रबंधक स्टेशन, स्टेशन प्रबंधक वाणिज्य राजेश सहगल, प्रीतम चौकसे, गौरव सोनी, सैयद मुश्ताक अली, धीरेंद्र सिंह, सुरेंद्र मिश्रा, धनन्जय नागेश, मनीराम विश्वकर्मा, अभिषेक जैन, आरपीएफ से एएसआई अजय कुमार, आरक्षक जितेंद्र, जीआरपी और समस्त रेल मंडल स्टाफ कि उपस्थिति रही।

सीआरपीएफ ने सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत ग्रामीणों को बांटी दैनिक उपयोग की सामग्री

शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और विश्वास पर हुई चर्चा

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

बालाघाट जिले में सीआरपीएफ के द्वारा लगातार वनांचल एवं नक्सल प्रभावित इलाकों में जागरूकता कैंप तथा सिविक एक्शन प्रोग्राम आयोजित किए जा रहे हैं। और इसी कड़ी में ग्राम घोंदी में सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन बटालियन केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल के द्वारा 13 दिसंबर को जगनटोला पंचायत के नक्सल प्रभावित ग्राम घोंदी में 123 बटालियन केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल के कमाण्डेन्ट सुधीर कुमार एवं श्रीमति तेजिन्दर कौर द्वितीय कमान अधिकारी के कुशल मार्गदर्शन में सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन कम्पनी कमाण्डर मुरारी लाल रैगर सहायक कमाण्डेन्ट के नेतृत्व में कम्पनी के उपस्थित सभी अधिनस्थ अधिकारीयों एवं जवानों के द्वारा किया गया।

ग्रामवासियों को बांटी दैनिक आवश्यकता की सामग्री–कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद ग्रामवासियों को दैनिक आवश्यकता की सामग्री जैसे साड़ीयां, ब्लाऊज, टी शर्ट, मच्छरदानी तथा कृषि कार्य को बढ़ावा देने के लिए मटर , टमाटर, बैगन, प्याज, भींडी और अन्य सब्जीयों के बीजों का वितरण किया गया। केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल के द्वारा की गई इस तरह की पहल से ग्रामीण अत्यंत प्रसन्न नजर आये एवं 123 बटालियन का हृदय से आभार जताया।इस अवसर पर कम्पनी कमाण्डर मुरारीलाल रैगर सहायक कमाण्डेन्ट ने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए स्वच्छता अभियान की उपयोगिता के बारे में समझाया और कहा कि इस कार्यक्रम को हम सबको मिलकर सफल बनाना है, जिससे कि मौसमी बिमारीयों जैसे- मलेरिया, डेंगु आदि जानलेवा बिमारी से बचाव हो सके। साथ ही उन्होंने युवाओं को नशे की लत से दूर रहने का आहवान किया एवं मोटर साइकिल चलाते समय किसी भी मादक पदार्थों का सेवन नहीं करने के लिए बताया। यातायात नियमों की जानकारी दी एवं हेलमेट को बोझ न समझे हेलमेट का इस्तेमाल अनिवार्य रूप से करने हेतु प्रोत्साहित किया। श्री मुरारीलाल रैगर सहायक कमाण्डेन्ट ने बालिका शिक्षा पर भी जोर देते हुए कहा कि आज नारी शिक्षा के दम पर हर क्षेत्र में अपना नाम रोशन कर रही है। अतः सभी ग्रामीणों से अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने हेतु अपील की उन्होंने कहा कि केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल आपके साथ मिलकर काम कर रही है आप भी इस बल को अपना हितैषी ही समझें। मुरारीलाल रैगर सहायक कमाण्डेन्ट ने आगे कहा कि माओवादी ताकतों द्वारा भोले - भाले ग्रामीणों को केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल एवं सिविल प्रशासन के खिलाफ दुष्प्रचार करके बहकाने का प्रयास करते रहते है। अतः इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों में केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल के प्रति आदर व विश्वास कायम होता है। चूंकि केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल द्वारा ऐसे कार्यक्रम लगातार क्षेत्र में चलाये जाते है, जिससे अब यहाँ के युवाओं को अपने मित्र और विरोधीयों की पहचान हो रही है और केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल में भर्ती होने के लिए प्रयत्नशील हो रहे हैं।केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल को देख के डर जाते थे लेकिन अब हमें डर नहीं लगता इस मौके पर ग्रामीणों ने बताया कि पहले वे केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल को देख के डर जाते थे लेकिन अब उन्हें सीआरपीएफ से डर नहीं लगता बल्कि सुरक्षित महसूस होता है। ग्रामिणों ने यह भी बताया कि केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल हमारे बच्चों के अच्छी शिक्षा हेतु पुस्तकें , कॉपीयों , बेग एवं अन्य शैक्षिक गतिविधी जैसे छात्रों को कम्प्युटर क्लास चला रहे है। ये सभी हमारे और हमारे परिवार के लिए किया जा रहा है। केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल के द्वारा चिकित्सा कैम्प लगाकर स्वास्थ परीक्षण एवं दवाइयों मुफ्त में वितरीत कर रहे है।ग्रामीणों ने बड़े हर्ष के साथ बताया कि केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल के इस तरह के सहयोग से हम लाभान्वित हो रहे है।सिविक एक्शन प्रोग्राम को सफल बनाने में उच्च अधिकारियों के साथ साथ निरीक्षक मदन देबनाथ , उपनिरीक्षक राजमनी प्रसाद पटेल , उपनिरीक्षक प्यारेलाल , उपनिरीक्षक जगतराम त्रिपाठी और समस्त उपस्थित जवानों की भूमिका सराहनिय रही ।

जिला शिक्षा अधिकारी से शिकायत

प्राचार्य ने अपने पुत्र-पुत्री को बनाया अतिथि शिक्षक

रिपोर्टर-प्रतिश अग्रवाल

पुष्पांजलि टुडे

गुना/मधुसुदनगढ़-- मधुसुदनगढ़ संकुल अंतर्गत हाई स्कूल उकाबद में चल रही बाहरी अनियमितताओं एवं प्राचार्य शिकारी से लोग परेशान हैं इसको लेकर सोमवार को शिक्षा विभाग के विधायक प्रतिनिधि प्रीतम प्रजापति विधायक प्रतिनिधि एवं दुर्गापुरा सरपंच राजेंद्र सिंह बांसखेड़ी ने जिला शिक्षा अधिकारी से मुलाकात कर उकाबद हाई स्कूल प्राचार्य शिकारी की लिखित शिकायत की है इस शिकायत में प्राचार्य पर आरोप लगाते हुए स्वयं के पुत्र पुत्री को मनमाने ढंग से अतिथि शिक्षक नियुक्त किया गया है एवं पात्र अतिथि शिक्षकों को अधिक स्कोरबोर्ड होने के बाद भी वंचित रख दिया गया है इसी के साथ में मध्यान्ह भोजन में भ्रष्टाचार संलिप्तता एवं लोगों से की जा रही अभद्रता के संबंध में लिखित शिकायत प्रस्तुत किए जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी ने ब्लॉक शिक्षा को संबंधित के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं और औचक निरीक्षण के आदेश दिए

बिजली कंपनी की मनमानी के विरोध में ज्योति ईश्वर उमरे के नेतृत्व में आज होगा धरना प्रदर्शन

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

बिजली विभाग के द्वारा मनमाने तरीके से बिल देना व शिकायत का निराकरण न करते हुए अघोषित लाईट काटकर आम जन को परेशान करने के विरोध में बालाघाट जिले के जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 7 की जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ज्योति ईश्वर उमरे के आव्हान पर बिजली विभाग लांजी के सामने आज 17 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से धरणा प्रदर्शन किया जाएगा। जिसमें क्षेत्र की जनता भी सम्मिलित होगी। पत्राचार के माध्यम से बताया गया कि बिजली विभाग द्वारा मनमाने तरीके से एवरेज बिल देना व शिकायत का निराकरण न करते हुए लाईट काटना मानव अधिकार के खिलाफ है। मोबाईल में बिल देखपाना हर किसी के लिए संभव नही है, अतः पेपर से बिल भेजा जाये। बिजली बिल मिटर रिडिंग के आधार पर ही होना चाहिए। बंद मकान का भी एवरेज बिल मनमानी तरीके से देना हिटलर साही है। किसानों को टी.सी. कनेक्शन के साथ मिटर लगाया जाये । मिटर रिडिंग के आधार पर टी.सी. बिल लिया जाये। टी.सी. कनेक्शन पर युनिट दर और सामान्य दर में बहुत अंतर है, सामान्य दर पर हि बिजली

बिल का भुगतान लिया जाये। प्रतिमाह रिडिंग लि जाये, ताकि मिटर बंद पाये जाने पर उसका तत्काल निराकरण करना चाहिए , निराकरण किये बिना बिजली विभाग द्वारा अतिरिक्त कार्यवाही कर दंडीत किया जाना मानव अधिकार का हनन करना है।इन तमाम बातों के विरोध में जिला पंचायत सदस्य ज्योति ईश्वर उमरे के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस धरना प्रदर्शन में शामिल होने वाले लोगों को नगर के कलार समाज मंगल भवन आंमगांव रोड़ लांजी में प्रातः 10 बजे एकत्रित होने की अपिल जिला पंचायत सदस्य के द्वारा की गई है।

कांग्रेस को अमेठी और रायबरेली की चिंता

कांग्रेस पार्टी और सोनिया गांधी के परिवार को दो पारंपरिक लोकसभा सीटों- अमेठी और रायबरेली की चिंता सता रही है। इन सीटों पर दशकों से परिवार का कब्जा रहा है लेकिन पिछले चुनाव में भाजपा की स्मृति ईरानी ने अमेठी सीट पर राहुल गांधी को हरा दिया था। राहुल की टीम को पहले से इसका अंदाजा था इसलिए केरल की वायनाड सीट से भी वे चुनाव लड़े थे, जहां से अभी सांसद हैं। सो, अब बड़ा सवाल यह है कि राहुल गांधी इस बार अमेठी से चुनाव लडेंगे या नहीं? अगर लड़ेंगे तो क्या एक ही सीट से लड़ेंगे या फिर अमेठी और वायनाड दोनों सीटों से लड़ेंगे?

ध्यान रहे नेहरू-गांधी परिवार का कोई भी सदस्य लगातार दो चुनाव नहीं हारा है। इंदिरा गांधी भी रायबरेली से हारी थीं तो चिकमगलूर से उपचुनाव में जीत गई थीं और उसके बाद फिर नहीं हारीं। सोनिया गांधी कोई भी चुनाव नहीं हारी हैं। राहुल भी 2004 से चुनाव लड़ रहे हैं और पहली बार 2019 में अमेठी से हारे। इसलिए परिवार यह जोखिम नहीं ले सकता है कि वे फिर से अमेठी लड़ें और हार जाएं। उत्तर प्रदेश की अभी जो स्थिति है, वह कांग्रेस के लिए बहुत अच्छी नहीं है। भाजपा हिंदुत्व की लहर पर सवार है और कांग्रेस व परिवार ने भी दोनों क्षेत्रों को छोड़ा हुआ है। दूसरी ओर भाजपा और स्मृति ईरानी दोनों क्षेत्र में सक्रिय हैं।

जहां तक रायबरेली का सवाल है तो यह लगभग तय है कि सोनिया गांधी इस बार चुनाव नहीं लड़ेंगी। उनकी सेहत भी ठीक नहीं है और कांग्रेस अध्यक्ष का पद छोड़ने के बाद वे लगभग संन्यास की स्थिति में हैं। अगर उनको सांसद बनना भी होगा तो शरद पवार की तरह राज्यसभा में चली जाएंगी। तभी माना जा रहा है कि उनकी सीट से इस बार प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव लड़ सकती हैं। उस सीट को लेकर कांग्रेस फिर भी भरोसे में है लेकिन अमेठी को लेकर पार्टी का भरोसा नहीं बन रहा है।

यह तय मानें कि इन दोनों सीटों पर भाजपा बड़ी लड़ाई बनाने का प्रयास करेगी। अगर प्रियंका और राहुल चुनाव लड़ते हैं या सिर्फ प्रियंका लड़ती हैं तब भी पार्टी घेराबंदी करेगी। कोई बड़ा और जुझारू उम्मीदवार उतारा जाएगा ताकि प्रियंका को उनके क्षेत्र में ही घेरा जा सके। कांग्रेस की एक चिंता यह भी है कि अगर राहुल गांधी फिर अमेठी नहीं लड़ते हैं तो कौन लड़ेगा? एक जमाने में जब परिवार का कोई सदस्य नहीं लड़ता था तो कैप्टेन सतीश शर्मा और संजय सिंह जैसे परिवार के करीबी लोग लड़ते थे। अब ऐसा कोन है, जिसको चुनाव लड़ाया जाए? कांग्रेस में इस बात पर विचार हो रहा है। क्या प्रियंका और उनके पति रॉबर्ट वाड्रा दोनों चुनाव लड़ सकते हैं? इसका क्या मैसेज होगा, इस पर भी विचार हो रहा है। अगले कुछ दिन में कांग्रेस को तय करना है कि रायबरेली और अमेठी की दो सीटों से कौन लड़ेगा और फिर उसकी तैयारी शुरू करनी है।

राहुल के सुक्खू सीएम बने!

हिमाचल प्रदेश में सुखविंदर सिंह सुक्खू का मुख्यमंत्री बनना कई लिहाज से कांग्रेस के लिए बड़ी बात है। वे पहले ऐसे नेता हैं, जिनको राहुल गांधी ने प्रदेश अध्यक्ष बनवाया था और अब मुख्यमंत्री बने हैं। ध्यान रहे जब केंद्र में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी तब राहुल गांधी ने कई नेताओं को प्रमोट किया। उन्होंने कई युवा नेताओं को केंद्र में मंत्री बनवाया। लेकिन एकाध अपवाद छोड़ दें तो सारे युवा किसी न किसी बड़े नेता के बेटे थे। उनमें से कई ने राहुल और कांग्रेस के साथ बड़ा धोखा किया। राहुल ने कई युवा नेताओं को प्रदेश अध्यक्ष भी बनवाया लेकिन उनमें से भी कई ने धोखा दिया। बहरहाल, उनकी युवा टीम का कोई सदस्य अभी तक मुख्यमंत्री नहीं बन पाया था।

सुक्खू पहले नेता हैं, जिनको पार्टी के पुराने नेताओं के विरोध के बावजूद राहुल गांधी ने हिमाचल प्रदेश का अध्यक्ष बनवाया था और अब वे मुख्यमंत्री बने हैं। राहुल ने तब के मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के विरोध के बावजूद सुक्खू को 2013 में अध्यक्ष बनवाया था। यह भी नोट करने लायक तथ्य है कि सुक्खू किसी राजनीतिक परिवार से नहीं आते हैं। वे एक साधारण बस ड्राइवर के बेटे हैं। अपवाद के लिए दो-तीन नाम छोड़ दें तो राहुल ने हमेशा बड़े राजनीतिक परिवार के सदस्यों को प्रमोट किया और धोखा खाया। सो, अब एक नई शुरुआत हुई है। जाने माने राजनीतिक घरानों और अमीर परिवारों से आए लोगों की बजाय साधारण पृष्ठभूमि के लोग कांग्रेस में उच्च पदों पर जाने लगे हैं और यह कांग्रेस के लिए अच्छा संकेत हो सकता है।

विवादित बयानों से ही पीके की खबरें

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर बिहार में सुराज यात्रा निकाल रहे हैं लेकिन उनके बारे में देश को कोई खबर नहीं है। खबर तो वैसे राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की भी ज्यादा नहीं आती है क्योंकि मीडिया इन दिनों एकतरफा खबरें दिखाता है। फिर भी तीन महीने से ज्यादा बीत जाने के बावजूद प्रशांत किशोर की सुराज यात्रा किस मुकाम पर है, उसे कैसा रिस्पांस मिल रहा है और उससे क्या बदलाव की संभावना बन रही है इसे लेकर कोई खबर नहीं है। अब सोशल मीडिया में भी इसके बारे में चर्चा नहीं होती है। प्रशांत किशोर से साथ फोटो खिंचवा कर कुछ लोग सोशल मीडिया पर पोस्ट न करें तो खबर भी नहीं होगी कि वे कहां क्या कर रहे हैं।

उनकी खबर तभी बनती है, जब वे कोई विवादित बयान देते हैं या किसी के ऊपर हमला करते हैं। जैसे पिछले दिनों तेजस्वी यादव की शिक्षा और परिवारवाद आदि का मुद्दा उठा कर उन्होंने कुछ खबर बनवाई थी। अब कुढ़नी उपचुनाव में जनता दल यू के उम्मीदवार की हार के बाद उन्होंने मुख्मंत्री नीतीश कुमार को निशाना बनाया और कहा कि इससे बिहार की जनता की नाराजगी जाहिर हुई है। इस बयान के बाद उनकी छोटी सी खबर बनी। जब प्रशांत किशोर देश भर के नेताओं के लिए चुनाव रणनीति का काम संभालते थे तब उनका मीडिया प्रबंधन ऐसा होता था कि हर छोटी बड़ी खबर या बयान की मीडिया में चर्चा होती थी। लेकिन अब वे अपने मामले में ऐसा क्यों नहीं कर पा रहे हैं? क्या मीडिया का उनसे मोहभंग हो गया है या खुद किसी रणनीति के तहत अपनी यात्रा को लो प्रोफाइल रख रहे हैं? वैसे भी लगातार तीन साल चलने वाली यात्रा को कितनी मीडिया कवरेज मिलेगी!

राहुल दक्षिण में और प्रियंका उत्तर में संभालेंगी कमान

राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा दक्षिण भारत से शुरू की तो वह अनायास हुआ फैसला नहीं था, बल्कि बहुत सोच समझ कर किया गया था। प्रियंका गांधी वाड्रा भी पूरे दक्षिण भारत में यात्रा में कहीं शामिल नहीं हुईं लेकिन दक्षिण से निकलते ही वे मध्य प्रदेश में अपने पति व बेटे के साथ यात्रा में शामिल हुईं तो राजस्थान में पति और बेटी के साथ उन्होंने यात्रा की। आगे भी जिन राज्यों में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा जाएगी वे वहां शामिल हो सकती हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश के पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में जम कर प्रचार किया और कांग्रेस चुनाव भी जीती। सो, ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस अगले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच जिम्मेदारी बांटने वाली है।

राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे और दक्षिण भारत की जिम्मेदार संभालेंगे, जबकि प्रियंका गांधी वाड्रा रायबरेली सीट से चुनाव लड़ेंगी और उत्तर भारत में पार्टी की कमान संभालेंगी। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि राहुल उत्तर भारत के राज्यों में प्रचार नहीं करेंगे। वे भारत जोड़ो यात्रा से पार्टी के सर्वोच्च नेता के तोर पर उभरे हैं और पार्टी उनकी नई छवि का पूरा इस्तेमाल प्रचार में करेगी। यह भी कहा जा रहा है कि राहुल गांधी दक्षिण भारत के कांग्रेस नेताओं और प्रादेशिक क्षत्रपों के साथ ज्यादा सहज हैं। असल में कांग्रेस की योजना दक्षिण भारत में मिली सीटों को बचाते हुए उसे बढ़ाने की है। ध्यान रहे कांग्रेस के 52 में से आधे सांसद दक्षिण के तीन राज्यों से हैं। केरल के 15, तमिलनाडु से आठ और तेलंगाना से तीन। अगर कांग्रेस इसे बचा लेती है और कर्नाटक व आंध्र प्रदेश में कुछ सीटें हासिल करती है तो ओवरऑल उसके सांसदों की संख्या बढ़ सकती है। दक्षिण के इन पांच राज्यों के अलावा महाराष्ट्र से भी कांग्रेस को बड़ी उम्मीद है।

भाजपा ने मेयर बनाने का इरादा छोड़ दिया

भारती जनता पार्टी ने दिल्ली नगर निगम में अपना मेयर बनाने का इरादा छोड़ दिया है। चुनाव नतीजों के तुरंत बाद सात दिसंबर को पार्टी के कई नेताओं ने दावा किया है कि भले आम आदमी पार्टी को बहुमत मिल गया है लेकिन मेयर तो भाजपा का ही बनेगा। भाजपा ने कुछ दिन पहले ही चंडीगढ़ में यह कारनामा किया था कि बहुमत आम आदमी पार्टी को मिला लेकिन मेयर भाजपा का बना। सो, आप और कांग्रेस दोनों के नेता आशंकित थे। आप को लग रहा था कि उसके पार्षद टूटेंगे तो कांग्रेस को आशंका थी कि उसके जो नौ पार्षद जीते हैं वे पाला बदल कर भाजपा या आप के साथ जा सकते हैं। कहा जा रहा था कि आप से जीते करीब 20 पार्षद ऐसे हैं, जो पहले भाजपा में थे और टिकट नहीं मिलने पर आप के साथ गए। वे घर वापसी कर सकते हैं।

लेकिन अब भाजपा ने यह इरादा छोड़ दिया है। भाजपा ने साफ कर दिया है कि आम आदमी पार्टी को बहुमत मिला है और मेयर भी उसी का बनेगा। सो, 15 दिसंबर से पहले दिल्ली को नया मेयर मिल जाएगा, जो आम आदमी पार्टी का होगा। अब सवाल है कि भाजपा ने अपना इरादा क्यों बदला? असल में भाजपा को लग रहा है कि दिल्ली सरकार और नगर निगम दोनों आम आदमी पार्टी के हाथ में जाने से आप को एक्सपोज करना आसान होगा। लोगों की उम्मीदें पूरी नहीं होंगी तो लोग नाराज होंगे और आप के खिलाफ एंटी इन्कंबेंसी होगी। अरविंद केजरीवाल ने डबल इंजन की सरकार में दिल्ली की सारी समस्याओं का समाधान करने का वादा किया है। वादे पूरे नहीं हुए तो अगले चुनाव में आप को मुश्किल होगी। इसी तरह भाजपा को नगर निगम में होने वाले भ्रष्टाचार को उजागर करने का मौका भी मिलेगा।

■ मनु श्रीवत्स

जम्मू-कश्मीर में 'आप' का बुलबुला फुस्स!

यदि एक पड़ोसी राज्य (पंजाब) में आम आदमी पार्टी को मिली सफलता ने 'आप' के लिए जम्मू-कश्मीर में दाखिल होने का रास्ता खोला था तो निश्चित रूप से दूसरे पड़ोसी राज्य में हासिल हुई असफलता ने 'आप' के लिए जम्मू-कश्मीर के मार्ग में नए अवरोध खड़े कर दिए हैं। हिमाचल के चुनाव परिणाम सामने आने के बाद पहले से ही कठिन जम्मू-कश्मीर में आम आदमी पार्टी का रास्ता और मुश्किल होता नज़र आ रहा है।

इस साल मार्च में जब पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) को विधानसभा चुनाव में ज़बरदस्त सफलता मिली थी तो पड़ोस में जम्मू-कश्मीर प्रदेश में कुछ लोगों को 'आप' में बहुत सी उम्मीदें दिखने लगीं थीं। कई राजनीतिक नेता एकाएक 'आप' को लेकर बेहद सक्रीय हो उठे और 'आप' में शामिल होने के लिए दिल्ली की तरफ भागने भी लगे थे। राजनीति में दिलचस्पी लेने वाले लोग चाय की दुकानों और गली-मुहल्लों में आम आदमी पार्टी को लेकर चर्चाओं में भी जुट गए। देखते ही देखते कई छोटे-बड़े राजनीतिक नेताओं ने आनन-फानन में आम आदमी पार्टी का दामन भी थाम लिया। मगर साल खत्म होते-होते आम आदमी पार्टी को लेकर शुरुआती उत्साह अब ठंडा पड़ने लगा है।

इस बीच पंजाब की तरह ही जम्मू-कश्मीर के साथ सटे दूसरे पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में हाल ही में आम आदमी पार्टी को सफलता न मिलने के कारण भी अभी से ही 'आप' के खेमे में मायूसी दिखाई देने लगी है।

इसे यूं भी कहा जा सकता है कि अगर एक पड़ोसी राज्य में आम आदमी पार्टी को मिली सफलता ने 'आप' के लिए जम्मू-कश्मीर में दाखिल होने का रास्ता खोला था तो निश्चित रूप से दूसरे पड़ोसी राज्य में हासिल हुई असफलता ने 'आप' के लिए जम्मू-कश्मीर के मार्ग में नए अवरोध खड़े कर दिए हैं। हिमाचल के चुनाव परिणाम सामने आने के बाद पहले से ही कठिन जम्मू-कश्मीर में आम आदमी पार्टी का रास्ता और मुश्किल होता नज़र आ रहा है।

पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की सफलता को देखते हुए अति उत्साह में पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं में अब ज़बरदस्त मायूसी है। हिमाचल के परिणामों ने इस निराशा में और बढ़ोतरी ही की है। बड़े जोश के साथ 'आप' में शामिल होने वाले नेता अब बात करने से भी कतराने लगे हैं।उल्लेखनीय है कि पंजाब की सफलता के फोरन बाद जैसे ही जम्मू-कश्मीर में 'आप' ने अपनी गतिविधियां शुरू की तो उसे कुछ शुरुआती कामयाबियां भी ज़रूर हासिल हुई थीं। दो पूर्व मंत्रियों और एक पूर्व विधायक सहित कुछ चर्चित नाम पार्टी में शामिल भी हुए। यही नही आप ने जम्मू-कश्मीर पैंथर्स पार्टी में पूरी तरह से सेंध लगाते हुए लगभग पूरी पार्टी को ही अपने में शामिल करवा लिया था। पैंथर्स पार्टी के उन दिनों कुछ हालात भी ऐसे थे और कुछ पंजाब की सफलता का असर भी था कि जम्मू-कश्मीर पैंथर्स पार्टी के लगभग सभी नेता 'आप' में चले गए थे।

पैंथर्स पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय प्रोफ़ेसर भीम सिंह उन दिनों सख़्त बिमार थे मगर बावजूद इसके उनके निधन से पहले तक उनके सभी करीबी यहां तक कि उनके सगे भतीजे हर्षदेव सिंह व भांजे बलवंत सिंह मनकोटिया ने भी पार्टी छोड़ दी थी और आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए थे।

सबकुछ इतनी जल्दी में हुआ कि बहुत से राजनीतिक पंडित भी जम्मू-कश्मीर में आम आदमी पार्टी की सरगर्मियों को लेकर बड़ी-बड़ी 'भविष्यवाणियां' करने लगे थे कि आप जम्मू-कश्मीर में भी कमाल कर देगी। मगर इस तरह की बातें करने वाले यह भूल रहे थे कि शुरुआती शोर के बीच एक दो नामों को अगर छोड़ दिया जाए तो 'आप' का दामन सिर्फ उन लोगों ने थामा था जो हालात की वजह से राजनीतिक हाशिये पर थे।

यही नही जम्मू क्षेत्र के कुछ-एक ज़िलों को छोड़ कर आम आदमी पार्टी (आप) को लेकर शेष ज़िलों में बहुत अधिक उत्सुकता भी दिखाई नही दी थी। विशेषकर कश्मीर घाटी में 'आप' को लेकर लोगों में कोई विशेष हलचल देखने को नही मिली थी। यही कारण था कि कश्मीर से आजतक एक भी राजनीतिक नेता ने 'आप' में कोई दिलचस्पी नही दिखाई है । यह अपने आप में एक बड़ी विडंबना ही कही जाएगी कि देश का एकमात्र मुस्लिम बहुल प्रदेश होने के बावजूद कोई भी बड़ा मुस्लिम नेता 'आप' में शामिल होने को आज तक तैयार नही हुआ है। अभी तक यही स्थिति बनी हुई है।

मनकोटिया का पार्टी से जाना

पंजाब विधानसभा चुनाव संपन्न होने के ठीक बाद अप्रैल में अति उस्ताह और जल्दबाजी में आम आदमी पार्टी में जिन कुछ नेताओं ने आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल होना मुनासिब समझा था वे नेता कुछ समय बाद ही परेशान दिखाई देने लगे। इनमें प्रमुख थे पैंथर्स पार्टी के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व विधायक बलवंत सिंह मनकोटिया।

इस वर्ष अप्रैल महीने में 'आप' में शामिल होने वाले मनकोटिया ने सितंबर आते-आते पार्टी को अलविदा कह दिया और भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। उल्लेखनीय है कि मनकोटिया उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने पंजाब विधानसभा चुनाव के बाद दिल्ली जाकर 'आप' में शामिल होने का फ़ैसला लिया था। दो बार उधमपुर जैसे भारतीय जनता पार्टी के गढ़ में उसके दिग्गज नेताओं को हराने वाले बलवंत सिंह मनकोटिया जब 'आप' में शामिल हुए थे तो एक संदेश गया था कि मनकोटिया के आने से 'आप' को जम्मू क्षेत्र में अपने पांव जमाने में मदद मिल सकेगी। मगर 'आप' नेतृत्व के जम्मू-कश्मीर को लेकर उदासीन रवैये को देखते हुए मनकोटिया अधिक दिनों तक पार्टी में नही टिक सके और उस दल में शामिल होने को मजबूर हुए जिसका विरोध करते हुए ही उन्होंने अभी तक की अपनी राजनीति की थी।

बलवंत सिंह मनकोटिया द्वारा 'आप' को छोड़ना अपने आप में पार्टी के लिए एक बड़ा झटका भी था और चेतावनी भी,मगर बावजूद इसके पार्टी नींद से नही जागी और उसने अपने रुख में कोई बदलाव भी नही लाया।

इस साल के शुरू में प्रदेश के कुछ हिस्सों में आम लोगों पर 'आप' का माहौल बनता भी नज़र भी आने लगा था। कई राजनीतिक नेताओं को बकायदा 'आप' में अपना भविष्य भी दिखने लगा था। मगर यह स्थिति अधिक दिनों तक बनी नहीं रह सकी।

दरअसल बलवंत सिंह मनकोटिया और हर्ष देव सिंह जैसे कुछ बड़े नेताओं द्वारा आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल होने से जो शुरुआती कामयाबी व ताकत पार्टी को मिली थी उससे उसने जम्मू-कश्मीर में बड़े जोश के साथ कदम तो रख लिए मगर बाद में इन कदमों को आगे बढ़ने से खुद ही रोक दिया।

इन हालात के लिए कोई ओर नही बल्कि खुद आम आदमी पार्टी (आप) का नेतृत्व ही जिम्मेवार रहा है। पार्टी नेतृत्व की ओर से जम्मू-कश्मीर को लेकर जो गंभीरता शुरू में दिखाई गई थी वह बाद में धीरे-धीरे कम होती चली गई। यही नही पार्टी ने कश्मीर घाटी से अपने को पूरी तरह से दूर रखा। 'आप' नेतृत्व ने ऐसा क्यों किया इसके अपने ठोस कारण पार्टी के पास हैं।

'आप' कश्मीर से क्यों है दूर ?

जिस समय आम आदमी पार्टी (आप) ने जम्मू-कश्मीर में पांव जमाने की कोशिश की ठीक उसी समय गुजरात व हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव घोषित होने की वजह से पार्टी ने कश्मीर की अति संवेदनशील राजनीति में अपने को उलझाना ठीक नही समझा। उल्लेखनीय है कि कश्मीर घाटी की सियासत बहुत ही संवेदनशील रही है। 'पाकिस्तान' से लेकर 'आतंकवाद' और 'अलगाववाद' जैसे अति संवेदनशील मुद्दों के बीच कश्मीर की राजनीति में आम आदमी पार्टी के लिए उतरना घाटे का सौदा ही साबित होता। उसे कश्मीर की राजनीति में लाभ कम और राष्ट्रीय स्तर पर नुक्सान का खतरा अधिक दिखाई देता है। इन्हीं सब राजनीतिक खतरों को देखते हुए 'आप' ने बहुत ही चालाकी के साथ अपने को कश्मीर से दूर रखा है और किसी भी तरह का जोखिम उठाने से अपने को बचाए रखा है।

यही नही कश्मीर की संवेदनशील व उलझी हुई राजनीतिक ज़मीन पर बहुत ज़्यादा गुंजाइश भी 'आप' के लिए शेष बचती नही है। उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी ने अनुच्छेद-370 को समाप्त किए जाने का स्वागत किया था और केंद्र के निर्णय का पूरा समर्थन दिया था। अनुच्छेद-370 को लेकर आम कश्मीरी बेहद संवेदनशील रहा है।

जिस तरह से पिछले कुछ समय से आम आदमी पार्टी ने जिस बड़े लक्ष्य को सामने रख कर अपनी राजनीति व रणनीति बदल कर संवेदनशील और विवादित मुद्दों से दूरी बनाई हुई है उसे देखते हुए भी 'आप' के लिए कश्मीर फिलहाल प्राथमिकता में नही हो सकता।

जबसे कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववादी राजनीति ने पैर पसारे हैं उसके बाद से राष्ट्रीय दलों के लिए विकल्प पहले से ही बहुत ही सीमित हो चुके हैं। लगभग आधा दर्जन क्षेत्रीय दलों के बीच वैसे भी 'आप' के लिए बहुत अधिक संभावनाएं कम से कम कश्मीर में तो बचती नही हैं।

सार समाचार

हॉकी विश्व कप में भारत कड़े पूल में: जफर इकबाल

नई दिल्ली, भाषा। पूर्व कप्तान जफर इकबाल का मानना है कि भारत के लिए 47 साल बाद दोबारा हॉकी विश्व कप जीतना आसान नहीं होगा क्योंकि उसे स्पेन, इंग्लैंड और वेल्स के साथ कड़े ग्रुप में रखा गया है। विश्व कप का आयोजन भुवनेश्वर और राउरकेला में 13 से 29 जनवरी तक होना है। भारत ने विश्व कप में एकमात्र स्वर्ण पदक 1975 में कुआलालंपुर में अजित पाल सिंह की कप्तानी में जीता था।

जफर ने कहा कि अगर भारत इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पोडियम पर जगह बनाने में सफल रहता है तो तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद यह एक और बड़ी उपलब्धि होगी। भारत, स्पेन, इंग्लैंड और वेल्स के अलावा ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, नीदरलैंड, अर्जेन्टीना, जर्मनी, न्यूजीलैंड, कोरिया, फ्रांस, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका, जापान और चिली उन 16 टीम में शामिल हैं जो खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगी। भारत पांचवें स्थान के साथ पूल डी टीम में शीर्ष रैंकिंग वाली टीम है। इंग्लैंड की विश्व रैंकिंग छह जबकि स्पेन की आठ है। वेल्स दुनिया की 15वें नंबर की टीम है।

हॉकी विश्व कप से पहले गोलकीपरों, ड्रैगफ्लिकरों के लिए होगा विशेष शिविर

नई दिल्ली, भाषा। भारतीय खिलाड़ी अगले महीने होने वाले एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) पुरुष विश्व कप की तैयारी के तहत बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में बुधवार से एक सप्ताह तक चलने वाले विशेष ड्रैगफ्लिक और गोलकीपिंग शिविर में भाग लेंगे। यह शिविर 20 दिसंबर तक चलेगा जिसमें भारतीय खिलाड़ी नीदरलैंड्स के लिए दो बार ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी ब्रेम लोमन्स और डेनिस वान डे पोल की देखरेख में अपने कौशल को निखारेंगे। ओडिशा के भुवनेश्वर और राउरकेला में आयोजित होने वाले इस विश्व कप से पहले लोमन्स भारतीय ड्रैगफ्लिकरों के साथ काम करेंगे, जबकि वान डी पोल गोलकीपरों के खेल में सुधार करने पर काम करेंगे। यह विशेष शिविर सोमवार को शुरू हुआ और यह दो सप्ताह तक चलने वाले राष्ट्रीय कोचिंग शिविर का हिस्सा है। राष्ट्रीय शिविर में 33 कोर संभावित भाग लेंगे। यहां जारी विज्ञप्ति में भारतीय टीम के कोच ग्राहम रीड ने कहा,हम विश्व कप से पहले विशेष तौर पर ड्रैगफ्लिक और गोलकीपिंग शिविर के आयोजन के लिए हॉकी इंडिया और साइ के आभारी हैं। यह विश्व स्तरीय कोचिंग प्राप्त करने का एक शानदार अवसर है और यह निश्चित रूप से हमारे ड्रैगफ्लिकर और गोलकीपर के लिए सही तरीके को अपनाने और रणनीति बनाने में मदद करेगा। कोच ने कहा,यह हमारे लिए काफी अहम शिविर होगा। ऑस्ट्रेलिया दौरे के आकलन के आधार पर हमें खेल के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं में सुधार की जरूरत है।

रहाणे, इशांत केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने के कगार पर

नई दिल्ली ■ भाषा/डेस्क

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की शीर्ष परिषद की 21 दिसंबर को होने वाली बैठक के दौरान 2022-23 सत्र के लिए सूची को अंतिम रूप दिए जाने के साथ अजिंक्य रहाणे और इशांत शर्मा को अपने वार्षिक केंद्रीय अनुबंधों से हटाया जा सकता है, जबकि शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव को पदोन्नति मिल सकती है। भविष्य के टी20 कप्तान के रूप में पेश किये जा रहे हार्दिक पंड्या को ग्रुप सी से ग्रुप बी में पदोन्नति मिलने की संभावना है। इस बैठक के एजेंडे में 12 मुद्दे सूचीबद्ध है। यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की जाएगी।

भारतीय टीम का टी20 विश्व कप और बांग्लादेश वनडे में प्रदर्शन की समीक्षा एजेंडे का हिस्सा नहीं है, लेकिन अगर अध्यक्ष जरूरी समझे तो चर्चा के लिए गैर-सूचीबद्ध मुद्दों पर विचार किया जा सकता है। इस बैठक में शीर्ष परिषद वी जयदेवन के लिए एकमुश्त भुगतान की भी पुष्टि करेगी। जयदेवन की तैयार की गयी प्रणाली (वीजेडी) का इस्तेमाल बारिश से प्रभावित घरेलू सीमित ओवरों के मैचों में होता है। जिसका वर्षा-नियम सूत्र एक दशक से अधिक समय से घरेलू सफेद गेंद के खेल में उपयोग किया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पद्धति (डीएलएस) का उपयोग करता है जबकि वीजेडी का उपयोग मुश्ताक अली टी-20, विजय हजारे ट्रॉफी और पूर्ववर्ती देवधर ट्रॉफी और चैलेंजर ट्रॉफी के लिए किया जाता है। इस बैठक का मुख्य मुद्दा सीनियर पुरुष और महिला टीमों के लिए 'रीटेनरशिप अनुबंध' पर चर्चा करना है। भारतीय टीम में जगह बनाने की दौड़ से लगभग बाहर हो चुके पूर्व उपकप्तान रहाणे और तेज गेंदबाज इशांत का सूची से बाहर होना लगभग तय है।

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा को भी सूची से बाहर कर दिया जाएगा क्योंकि उन्हें साल की शुरुआत में बता दिया गया था कि उन्हें फिर से भारत के लिए नहीं चुना जाएगा। बीसीसीआई चार वर्गों में खिलाड़ियों को केंद्रीय अनुबंध देता है जिसमें ए प्लस (सात करोड़ रुपये सालाना), ग्रुप ए (पांच करोड़ रुपये सालाना) ग्रुप बी (तीन करोड़ रुपये सालाना), और ग्रुप सी (एक करोड़ रुपये सालाना) शामिल है। बीसीसीआई खिलाड़ियों अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के अलावा कई और मानकों को देखते हुए इस अनुबंध में खिलाड़ियों का वर्गीकरण को निर्धारित करता है। इसमें राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के परामर्श करना भी शामिल है।

ए प्लस और ए ऐसी श्रेणियां हैं जहां खिलाड़ी या तो सभी प्रारूप में नियमित तौर पर खेलते है या कम से कम टेस्ट टीम में उनकी जगह सुनिश्चित हो। ग्रुप बी में जगह पाने के लिए एक क्रिकेटर को कम से कम दो प्रारूप खेलने होते हैं, जबकि ग्रुप सी मुख्य रूप से एक प्रारूप में खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए होता है। इस सूची में जगह बनाने के लिए विशिष्ट संख्या में अंतरराष्ट्रीय मैचों (प्रति प्रारूप) में खेलने की जरूरत होती है। पदोन्नति हालांकि प्रदर्शन-आधारित होती है और इसमें आईसीसी रैंकिंग को भी ध्यान में रखा जाता है।

कोहली ने रोनाल्डो को बताया 'सर्वकालिक महान'

चटगांव ■ वार्ता/डेस्क

भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली ने कतर में चल रहे फीफा विश्व कप 2022 से पुर्तगाल के बाहर होने के बाद पुर्तगाली फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को 'सर्वकालिक महान' की उपाधि दी है।

कोहली ने सोमवार को ट्वीट किया, इस खेल और दुनिया भर के खेल प्रशंसकों के लिये तुमने जो कुछ भी किया है, उससे कोई ट्रॉफी या कोई खिताब कुछ भी कम नहीं कर सकता है। कोई भी खिताब लोगों पर तुम्हारे प्रभाव की या इस बात की गवाही नहीं दे सकता कि जब हम तुम्हें खेलते हुए देखते हैं तो मैं और दुनिया भर के बहुत से लोग क्या महसूस करते हैं। यह परमेश्वर का उपहार है।

पुर्तगाल शनिवार को क्वार्टरफाइनल में मोरक्को से 0-1 से हारकर विश्व कप से बाहर हो गया। अनुभवी स्ट्राइकर रोनाल्डो दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी बनकर पिच पर आये लेकिन कोई प्रभाव छोड़ने में असफल रहे।

फीफा विश्व कप के सेमीफाइनल में भिड़ेंगे अर्जेन्टीना और क्रोएशिया

अर्जेन्टीना-क्रोएशिया के बीच सेमीफाइनल के साथ टूटेगा मेस्सी या मोड्रिच का सपना

दोहा ■ एपी/डेस्क

अर्जेन्टीना और क्रोएशिया के बीच मंगलवार (रात 12 बजकर 30 मिनट पर) को यहां होने वाले फीफा विश्व कप सेमीफाइनल के साथ दो दिग्गज खिलाड़ियों लियोनल मेस्सी और लुका मोड्रिच में से किसी एक का विश्व कप जीतने का सपना संभवतः हमेशा के लिए टूट जाएगा। फुटबॉल के सबसे बड़े सुपरस्टार में शामिल ब्राजील के नेमार और फिर पुर्तगाल में क्रिस्टियानो रोनाल्डो कतर में चल रहे विश्व कप से आंसुओं के साथ विदाई ले चुके हैं और अब मेस्सी या मोड्रिच में से एक का सपना टूटने वाला है।

लय मेस्सी के साथ है जिन्होंने अर्जेन्टीना को सेमीफाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। वह टीम की अगुआई उसी तरह कर रहे हैं जिस तरह डिएगो माराडोना ने 1986 में अर्जेन्टीना के दूसरे और आखिरी विश्व कप खिताब के दौरान की थी। अर्जेन्टीना और फाइनल के बीच अब क्रोएशिया की दीवार खड़ी है। मात्र 40 लाख की जनसंख्या वाले इस देश ने फुटबॉल की सबसे कड़ी टीम में से एक के रूप में प्रतिष्ठा बनाई है और उसके पास खेल के सबसे शालीन खिलाड़ियों में से एक मोड्रिच है।

सेमीफाइनल मुकाबला लुसैल स्टेडियम में खेला जाएगा जिसे रविवार को होने वाले फाइनल की मेजबानी भी करनी है। सेमीफाइनल में पिछले दो विश्व कप की उप विजेता टीम आमने सामने होंगी। अर्जेन्टीना को 2014 जबकि क्रोएशिया को 2018 में फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। अर्जेन्टीना की टीम कोपा अमेरिका का खिताब जीतकर कतर पहुंची थी और उसे पिछले 36 मुकाबलों में हार का मुंह नहीं देखना पड़ा था। क्रोएशिया की टीम बिना किसी हो-हल्ले के चार साल पहले के अपने प्रदर्शन को दोहराने की राह पर है जब टीम ने फाइनल में जगह बनाई थी और इस दौरान ग्रुप चरण में अर्जेन्टीना को भी हराया।

अर्जेन्टीना की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही और उसे पहले ही ग्रुप मैच में सऊदी अरब के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। टीम ने हालांकि वापसी करते हुए अपने अगले दोनों ग्रुप मैच जीते और प्री क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया।अर्जेन्टीना ने क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड को पेनल्टी शूट आउट में हराया। मेस्सी विश्व कप में चार गोल कर चुके हैं और मौजूदा विश्व कप के शीर्ष स्कोरर फ्रांस के काइलियान एमबापे से एक गोल पीछे हैं। मोड्रिच ने भले ही मौजूदा विश्व कप में गोल नहीं दागा हो और ना ही किसी गोल को करने में मदद की हो लेकिन क्रोएशिया की टीम में उनके महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता।

बटलर और अमीन को आईसीसी का महीने का खिलाड़ी का पुरस्कार

दुबई ■ भाषा/डेस्क

इंग्लैंड के टी20 विश्व कप विजेता कप्तान जोस बटलर को नवंबर में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद पहली बार सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के महीने के खिलाड़ी पुरस्कार के लिए चुना गया।

पाकिस्तान की सिदरा अमीन को आयरलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए महिला वर्ग में महीने की क्रिकेटर का पुरस्कार मिला। विश्व क्रिकेट के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से एक बटलर ने महीने के शुरू में न्यूजीलैंड के खिलाफ ब्रिसबेन में 20 रन की नाटकीय जीत में शानदार प्रदर्शन करके मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया था।

उन्होंने 47 गेंदों पर 73 रन बनाकर इंग्लैंड के टी20 विश्व कप के अभियान की शानदार नींव रखी थी। इंग्लैंड के नॉकआउट में पहुंचने के बाद बटलर ने भारत के खिलाफ 49 गेंदों में नाबाद 80 रन बनाकर अपनी टीम को 10 विकेट से जीत दिलाई थी। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में 26 रन का उपयोगी योगदान दिया था। इंग्लैंड ने पाकिस्तान को हराकर दूसरी बार टी20 विश्व कप जीता। बटलर ने कहा, मैं प्रशंसकों का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने मुझे नवंबर महीने का आईसीसी खिलाड़ी चुनने के लिए मतदान किया।

आवारा मवेशी कर रहे हैं फसल चट जिससे अन्नदाता हो रहा है परेशान

पहलवान सिंह राजावत

भिण्ड। मालनपुर नगर में एवं क्षेत्र में आए दिन आवारा मवेशियों के जमावड़े से बर्बाद हो रही है फसल अन्नदाता हो रहा हैं परेशान जबकि मालनपुर ग्राम पंचायत गूरीखा में गौशाला का निर्माण चल रहा है सवाल यह उठता है की करीब तीन साल हो चुके हैं मगर गौशाला निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया अभी तक क्षेत्र के किसानों का कहना है कि वैसे ही करो ना काल के बाद बड़ी मुश्किल में खेतों में फसल उत्पन्न की जा सकती है आवारा गायों का झुंड अगर कहीं एक बार खेत से गुजर जाता है तो पूरी फसल ही नष्ट हो जाती है जबकि मालनपुर नगर परिषद बन चुका है और कार्यकाल भी शुरू हो चुका है नगर परिषद चुनाव होने के बाद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद का उम्मीदवार भी तय हो चुका है लेकिन आवारा मवेशियों की तरफ किसी का भी ध्यान नहीं है और स्कूल जाते समय छोटे-छोटे बच्चे आवारा मवेशियों को देख कर डर जाते हैं कि कहीं कोई गाय टकराना जाए भयभीत होकर घर लौट कर आते हैं आलम यह है कि गाय मालिक गायों का दूध निकाल कर आवारा छोड़ देते हैं। लेहचुरा ब लहेचुरा का पूरा टूडीला घिरोगी जिलमेदार का पुरा ककरारी का पुरा हरिराम पुरा मालनपुर गुरीखा का खुमान का पुरा तिलोरी सिंहवारी लटकन पूरा चक माधोपुर ऐसे एक दर्जन गांव के किसान आवारा मवेशियों कारण परेशानी उठा रहे हैं

इनका कहना है

मालनपुर नगर परिषद अध्यक्ष रायश्री जाटव का कहना है कि मालनपुर नगर में पहले से कोई गौशाला नहीं है मगर हम जल्द नगर पालिका में प्रस्ताव रखेंगे को एवं पत्र के आधार पर उच्च अधिकारियों को अवगत कराएंगे हमें आदेश मिलता है उसके बाद हम जल्द गौशाला का निर्माण कराएंगे

ग्राम पंचायत बीरपुर बना अवैध रेत माफियाओं का गढ़

संबंधित अधिकारियों द्वारा दिया जा रहा है झूठा आश्वासन की कार्यवाही करेंगे

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

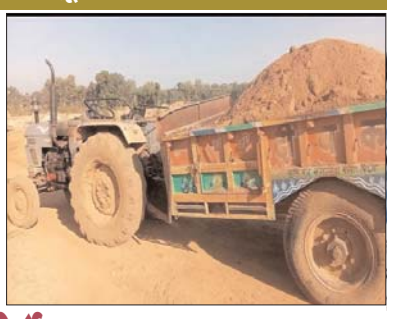

पिछोर, अनुविभागीय अंतर्गत ग्राम पंचायत बीरपुर में अवैध रेत खनन किया जा रहा है लेकिन देखा जाए तो इसी क्रम में संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत देखने को मिल रही है क्योंकि संबंधित अधिकारियों को जानकारी भी दी गई है लेकिन संबंधित अधिकारियों द्वारा केवल केवल झूठा आश्वासन दिया जा रहा है कि कार्रवाई करेंगे लेकिन अभी तक संबंधितअधिकारियों द्वारा रेत माफियाओं के विरुद्ध कोई भी कार्रवाई नहीं की गई है ऐसा लगता है कि संबंधित अधिकारियों की कुछ मिलीभगत है इसलिए कुछ ना कुछ अवैध रेत माफियाओं के विरुद्ध कोई संज्ञान नहीं लिया गया है

विधायक बिरेंद्र रघुवंशी जी निर्देशानुसार घर घर जाकर समस्या सुनी राजेश केवट विधायक प्रतिनिधि नगर परिषद रत्नौद

संवाददाता हरिओम परिहार की रिपोर्ट

आज कोलारस विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर परिषद रत्नौद में वार्ड नंबर 10 के पार्षद द्वारा मेरा वार्ड मेरी जिम्मेदारी अभियान अंतर्गत एवं विधायक प्रतिनिधि श्री राजेश केवट द्वारा वार्ड 10 में भ्रमण कर घर घर जाकर डोर टू डोर जाकर लोगों की समस्या सुनी और समस्या को सुनकर रजिस्टर पर पंजीयन किया गया इसी क्रम में तत्काल समस्या का निराकरण भी किया जो समस्या विभागीय हैं उसको विभाग में भेज दी गई है जल्द से जल्द से निराकार के लिए अधिकारी से संपर्क किया निर्देश दिए गए हैं संबंधित व्यक्ति को मोबाइल के माध्यम से समस्या को निवारण कर अवगत करा दिया जाएगा जन सेवा समस्या निवारण केंद्र रत्नौद संचालक मुकेश केवट रत्नौद गोलू कुशवाह रिंकू कुशवाह दिनेश केवट धर्मेंद्र माझी डब्बू जाटव रामगोपाल कुशवाहा अन्य लोग उपस्थित रहे

जिले में लगातार छापामार कार्यवाही के तहत् विगत दिनों में शा.उ.मू. दुकानों पर पायी गई गंभीर अनियमितताओं के आधार पर तीन विक्रेताओं पर एफआईआर दर्ज कराई गई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत् शासकीय उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान वितरण की व्यवस्था को दुरूस्त किये जाने हेतु कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के निर्देशानुसार जिले में लगातार छापामार कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत् विगत दिनों में दुकानों पर पायी गई गंभीर अनियमितताओं के आधार पर श्रीकृष्ण प्राथमिक उपभोक्ता भण्डार गोरमी द्वारा संचालित शा.उ.मू. की दुकान वार्ड क्र. 09,10 एवं 14 के विक्रेता मुकेश यादव के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत् थाना गोरमी में एफआईआर दर्ज करायी गयी। इसी प्रकार शा.उ.मू. दुकान मानपुरा तह. मेहगांव के विक्रेता द्वारा वितरण में अनियमितताऐं किये जाने विक्रेता रामभरोसे के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत् थाना गोरमी में एफआईआर दर्ज करायी गयी। इसी प्रकार सेवा सहकारी संस्था परा द्वारा संचालित शा.उ.मू. दुकान रिदौली के अनुज शर्मा द्वारा वितरण में अनियमितताऐं किये जाने विक्रेता के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत थाना पावई में एफआईआर दर्ज करायी गयी।

जिले में लगातार जांच जारी है वितरण में गडबडी करने वाले विक्रेताओं के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही की जायेगी। समस्त विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि शासन मंशा अनुसार निर्धारित एवं दर पर खाद्यान का वितरण करें अन्यथा उनके विरूद्ध एफआईआर, दुकान निरस्ती एवं खाद्यान की अफरा-तफरी करने पर बाजार मूल्य से राशि की बसूली उनकी चल-अचल संपत्ति से की जायेगी।

महिला कांग्रेस ने महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर दिया ज्ञापन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिला महिला कांग्रेस ने जिला अध्यक्ष रेखा भदौरिया के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार उत्पीड़न को लेकर महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा मध्यप्रदेश शासन से आहत सभी महिलाएं और बच्चियां आपके माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराना चाहती हैं आए दिन बच्चियों और महिलाओं पर दुष्कर्म और अत्याचार के मामले बढ़ रहे हैं महिलाओं पर अत्याचार के मामले में मध्य प्रदेश प्रथम स्थान पर है प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बच्चियों के उत्थान के लिए बड़ी-बड़ी बातें करते हैं लेकिन सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठाती हमारे भिंड जिले में भी पिछले दिन बच्चों साथ दुष्कर्म के मामले हुए हैं आए दिन स्कूल कॉलेज और कोचिंग पर बच्चियों के साथ जिन्होंने हरकतें हो रही हैं प्रशासन द्वारा कोई विशेष सुरक्षा व्यवस्था नहीं कराई जा रही है मध्य प्रदेश सरकार की नीतियां महिलाओं के प्रति असंवेदनशील होती जा रही है,जिससे समस्त नारी समाज अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही हैं अतः महामहिम जी से महिला कांग्रेस कमेटी भिंड द्वारा अनुरोध करती है,कि प्रदेश में महिलाओं में बच्चियों की अस्मिता व सम्मान को सुरक्षित बनाए रखने हेतु प्रदेश सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्य करें जिससे महिलाएं निर्भीक होकर अपने कार्य व शिक्षण कार्य संपादित करें। जिला अध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा, शहर अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा,नगर अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी,जिला उपाध्यक्ष बृजेंद्र सिंह कुशवाह कल्लू, संजीव बरुआ,पवन चौरसिया, सुखप्रीत मिश्रा पिंटू शर्मा,विनोद पंडित जी,वीरेंद्र यादव,मालनपुर ब्लॉक अध्यक्ष लता धवल,गोहद ब्लॉक अध्यक्ष रागिनी चौहान,रचना प्रदेश सचिव दुसरा काजी,शहर अध्यक्ष सपना जैन,ग्रामीण अध्यक्ष सुनीता दौरे,सचिव सीमा जाटव,नीलम नीलम कुशवाह,बबली भदौरिया, सरोज अंसारियां,जिला छाया कुशवाह,नीतू सिंह,खैरून दरक्षा खान,सलेहा खान,अलीमुद्दीन काजी,कृष्णा सक्सेना, वीर प्रकाश श्रीवास्तव, अभिषेक शर्मा,जगदेव तिवारीआनंद शाक्य आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नामदेव समाज के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण

ब्यूरो रिपोर्ट -रीतेश अवस्थी

दमोह - आदर्श नामदेव सेवा समिति एवं नामदेव समाज द्वारा समाज के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष, एवं पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह शहर के माँ बड़ी देवी मंदिर के प्रांगण में आयोजित हुआ।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के पूर्व वित्त मंत्री जयंत मलैया, विशिष्ट अतिथि कॉग्रेस अध्यक्ष मनु मिश्रा, बिहारीलाल गौतम, कमलेश भारद्वाज,कि उपस्थिति रही ।कार्यक्रम के शुरुआत में सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा भगवान विट्ठल जी का पूजन किया गया उसके बाद नामदेव समाज के सदस्यों द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया, एवं नवनियुक्त पदाधिकारियों द्वारा समाज के वरिष्ठों का तिलक लगाकर सम्मान कर आशीर्वाद

लिया गया इस अवसर पर स्वागत भाषण का संचालन नामदेव समाज के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राजकुमार राजू नामदेव द्वारा किया गया एवं उपस्थित अतिथियों के समक्ष संपूर्ण समाज की ओर से धर्मशाला की आवश्यकता का विषय रखा गया जिस पर सभी ने एकमत होकर भविष्य में धर्मशाला हेतु प्रयास का आश्वासन दिया।पं.अखिलेश हजारी द्वारा नवनियुक्त जिलाध्यक्ष और पदाधिकारियों को पद की शपथ दिलाई।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नामदेव समाज के लोगो कि उपस्थिति रही।

स्वास्थ्य मंत्री से प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ ने की स्वास्थ्यमंत्री से मुलाकात

ज्ञापन सोप कर बीएमओ की करतूत से कराया अवगत

पुष्पांजलि टुडे ब्यूरो विनोद पाठक

श्योपुर - श्योपुर जिले के कराहल ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर 10 दिसम्बर 2022 शनिवार को संचालित महिला नसबंदी शिविर छोड़कर बीएमओ के रफूचक्कर होने के बाद शिविर में व्याप्त अव्यवस्थाओं की खबर टीवी 27 न्यूज पर प्रकाशित किये जाने के बाद खबर को देखकर खिन्न हुए कराहल बीएमओ ने रविवार शाम 7 बजे के लगभग टीवी 27 न्यूज के पत्रकार गोविन्द गर्ग के साथ मोबाइल से कॉल कर अभद्रता करते हुए गाली गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दे डाली थी जहा पत्रकार की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाए जाने के मामले में पत्रकारों ने सोमवार को एकजुट होकर बीएमओ पर एफआईआर की कार्रवाई को लेकर श्योपुर कलेक्टर शिवम वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह को मामले की जानकारी देते हुए कार्रवाई को लेकर ज्ञापन सोपा था जहा आज मंगलवार को प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ के बैनर तले भोपाल में स्वास्थ्य मंत्री प्रभुराम चौधरी को मामले की जानकारी देते हुए बीएमओ की करतूत से अवगत कराते हुए कराहल बीएमओ राजेन्द्र प्रजापति पर कार्रवाई को लेकर ज्ञापन सोपा गया जहा स्वास्थ्यमंत्री द्वारा प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ को आस्वस्त किया गया है

शक्कर कारखाना की मशीनरी विक्रय पर सरकार की रोक

कैलारस कारखाने के पुनः शुरू होने से किसानों को मिलेगा रोजगार, क्षेत्र में आएगी खुशहाली पूर्व महाप्रबंधक पाराशर और किसान नेताओं ने मुख्यमंत्री एवं सहकारिता मंत्री का जताया आभार

मुरैना से गौरब शर्मा पुष्पांजलि टुडे

मुरैना। कैलारस शक्कर कारखाना की मशीनरी के स्क्रेप की अब नीलामी नहीं होगी। किसानों के हितों और क्षेत्र की खुशहाली को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने मशीनरी विक्रय के निर्णय को निरस्त कर उस पर रोक लगा दी है। सरकार के इस निर्णय से एक बार फिर शक्कर कारखाना शुरू हो सकेगा। सरकार के इस कदम पर कारखाना के पूर्व महाप्रबंधक सहित क्षेत्र के किसान नेताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री एवं सहकारिता मंत्री का आभार जताया है। शक्कर कारखाना के पूर्व महाप्रबंधक एमडी पाराशर ने बताया कि सरकार ने बंद पड़े कारखाने की मशीनरी के स्क्रेप के विक्रय के निर्णय को निरस्त कर दिया है। अब जल्द ही कारखाना शुरू होगा। इससे किसान, मजदूरों को रोजगार मिलेगा साथ क्षेत्र में खुशहाली आएगी। उल्लेखनीय है कि बंद पड़े कारखाने को शुरू करने के लिए क्षेत्र के नेता लंबे समय से मांग कर रहे थे। इसके लिए समय-

समय पर आंदोलन भी होते रहे। सरकार ने जब कारखाने के स्क्रेप को बेचने का निर्णय लिया था तब पूर्व प्रबंधक श्री पाराशर के नेतृत्व में इसी वर्ष 26 जनवरी को क्षेत्र के करीब दो सैकड़ा किसानों एवं व्यावसाईयों ने चिरोंजी लाल सिंघल की अध्यक्षता में बैठक कर मशीनों को बेचने के बजाय उत्पादन शुरू करने के लिए किसानों की कंपनी बनाने का संकल्प लिया था। उस दौरान बैठक में रामलाल धाकड, कैलाश मित्तल, राजेन्द्र शुक्ला, रामलखन धाकड, चिरोजी लाल सिंहल, डॉ. सीपी शर्मा, बनबारी लाल शुक्ला, संजय फक्कड, नागेश शर्मा, मातादीन सर्राफ, कैलाश चंद अग्रवाल, सुभाष गुप्ता, राजकुमार सिंघल, राम अवतार त्यागी, हरिराम धाकड़, गंगाराम धाकड़ एवं गिर्राज त्यागी प्रमुख रूप से मौजूद थे। संकल्प के परिणाम स्वरूप मध्यांचल किसान उद्योग लिमिटेड नाम से पब्लिक लिमिटेड कम्पनी का गठन कर उसका पंजीयन कराया गया। कम्पनी के सभी संघर्षरत निवेशकों , नेताओं एवं किसानों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं सहकारिता मंत्री अरविंद सिंह भदौरिया का आभार व्यक्त किया है।

हमेशा सद्भाव की राजनीति की, लोगों को जोड़ने का प्रयास किया - रमेश सक्सेना

सीहोर। करीब पांच दशक से राजनीति में सक्रिय पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता रमेश सक्सेना ने वर्तमान राजनीति के परिदृष्य को लेकर कहा कि मैने हमेशा सदभाव की राजनीति की है, लोगों को जोड़ने का प्रयास किया है, मेरे कार्यकर्ता और सहयोगी हर जाति और धर्म के लोग हैं। जब मैं पहली बार चुनाव लड़ा था तब नारा दिया था, कि राम रहीम की निकली सेना, जीतेगा रमेश सक्सेना । इस नारे से किसी को परहेज नहीं था, उस समय मुस्लिम को राम का नाम लेने में कोई दिक्कत नहीं रही और हिन्दू साथी भी यही नारा लगाते थे। लेकिन आज राजनीति में बहुत कुछ बदल गया है। लोगों के निजी हित अब ज्यादा हावी हो रहे हैं, सामाजिक सरोकार के विषय पीछे छूट रहे हैं। कुछ लोग राजनीतिक फायदे के लिए लोगों को बांटने का प्रयास कर रहे हैं। लोगों के मन में नफरत का बीज बो रहे हैं। लेकिन यह सब ज्यादा दिन नहीं चलता, जनता सब समझती है। पहले इस प्रकार की राजनीति नहीं होती थी। श्री सक्सेना ने कहा कि मैं हमेशा सभी को साथ लेकर चला हूं। मेरा राजनीति में आने का उददेश्य समाज सेवा रहा। जन समस्याओं को हमेशा उठाता रहा हूं। और आगे भी यह प्रयास जारी रहेगा। मेरे इन प्रयासों में जनता भी मेरे साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़ी रही है।

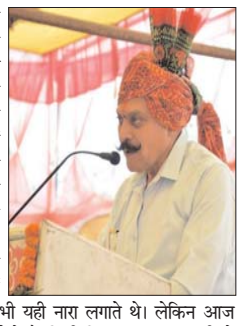

10 अगस्त 2021 से शुरू होना था सड़क का निर्माण कार्य , 16 माह बीत जाने के बाद भी शुरू नहीं हो सका निर्माण कार्य

प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत ग्राम बलरामपुर से रूसल्ही साहू तक बनाई जाना है सड़क

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह
विदिशा /लटेरी

जिले के लटेरी तहसील के ग्राम बलरामपुर से लेकर रुसल्ही साहू तक प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ 10 अगस्त 2021 से किया जाना था लेकिन लगभग 16 माह व्यतीत हो जाने के बाद भी निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार इस विषय को लेकर अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है लेकिन आश्वासन के अलावा अभी तक में कुछ भी नहीं मिला है ज्ञात हो कि सड़क का निर्माण प्रारंभ नहीं हुआ लेकिन वहां लगा हुआ बोर्ड बताता है कि निर्माण कार्य प्रारंभ करने की तिथि 10 अगस्त 2021 पूर्णत दिनांक 9 फरवरी 2023 एवं बोर्ड के अनुसार यह सड़क 5.2 किलोमीटर है जिसकी लागत 368.63 लाख है। अभी इस रोड का कोई कार्य चालू नहीं हुआ हमने अधिकारियों से बोला तब वह कहने लगे ठेका हो गया काम होगा भाजपा नेता प्रकाश कुशवाह बलरामपुर कोई कारणवश निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका होगा, मैं इसे दिखाता हूं हर्षल चौधरी एसडीएम लटेरी

खेल ऐसा हो जिससे प्रेरणा भी मिले:सुधीर गादिया

जीतो बैंगलुरु नार्थ युवा का 'ट्रेजर ट्रैल' खेल उत्सव

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू ।आज के प्रतिस्पर्धात्मक एवं तनाव भरे जीवन में स्वयं को चुस्त-दुरस्त, तंदुरुस्त एवं तनावरहित रखने के लिये जिस तरह से योगा एवं व्यायाम जरूरी है उसी तरह से शारीरिक खेल भी महत्वपूर्ण है। खेल जैसी गतिविधियों से न केवल शरीर में ऊर्जा का संचार होता है अपितु अपनी काबिलियत को बढ़ाने का भी अवसर मिलता रहता है परंतु साथ ही साथ वर्तमान परिवेश को देखते हुए ऐसे खेलों का आयोजन होना चाहिये जिससे प्रेरणा भी मिले। यह बात जीतो बैंगलुरु नार्थ के महामंत्री सुधीर गादिया ने जीतो नार्थ की युवा विंग द्वारा आयोजित खेल उत्सव ÷ट्रेज़र ट्रैल÷ के अवसर पर कही। खेल आयोजन पर उन्होंने कहा कि तकनीकी खेलों में उलझे आज के युवाओं के लिये इस तरह के शारीरिक शक्ति सहित पहेलियों वाले खेल से दिमागी व शारीरिक क्षमता बढ़ने के साथ ऊर्जा का संचार भी होता है।नार्थ युवा विंग अध्यक्ष मनीष कोठारी व महामंत्री खुशी पोरवाल के नैतृत्व में आयोजित इस खेल उत्सव का मुख्य उद्धेश्य बचपन के अपने जीवन को संजोने, स्कूली व दोस्तों की यादों को ताजा करने, सदस्यों से बेहतर तरीके से जुड़ने तथा टीम निर्माण गतिविधियों को बढ़ावा देना था। नवकार स्मरण व जीतो बैंगलुरु नार्थ व युवा पदाधिकारियों द्वारा द्वीप प्रज्वलन से प्रारंभ इस खेल यात्रा की शुरुआत मागड़ी रोड पर स्थित संकल्प बिज़नस बे से हुई। जीतो बैंगलुरु नार्थ के सचिव व युवा विंग संयोजक देव सामर के अनुसार इस रोचक खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को एक विशेष स्थान पर जाकर शारीरिक श्रम के साथ एक पहेली को हल करना तथा जानकारी युक्त प्रश्नों के उत्तर देना था। जीतो एपेक्स युवा विंग संयोजक विनोद जैन ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों को जीवन में प्रेरणास्वरूप अपनाने का अनुरोध किया। जीतो बैंगलोर नार्थ के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि स्त्रिच के सिद्धार्थ रमेश डुंगरवाल के मुख्य प्रायोजन, कयाना के प्रमोद बाफना, खीवेसरा इंश्योरेंस के दिनेश खीवेसरा, ड्रेस कोड़ के अनूप श्रीश्रीमाल के सह प्रायोजन व बैंगलुरु टीफ़नीज़ के दर्शन बोहरा के रिफ़ेशमेंट प्रायोजन तथा संकल्प बिज़नस बे के रमेश दक के स्थान प्रायोजन में इस खेल उत्सव का आयोजन किया गया। ट्रेज़र ट्रैल के संयोजक व युवा सचिव करण पुनमिया व सह संयोजक अभिनव बैताला ने जानकारी दी कि प्रतियोगिता के लिये चयनित 80 से अधिक खिलाड़ियों को 7 टीमो में विभाजित किया गया तथा संकल्प बिजनस बे से प्रारंभ होकर यह खेल यात्रा मंत्री माल, कब्बन पार्क, सिग्मा माल, वी वी पुरम खाऊ गली, यू बी सिटी, रेल्वे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन इत्यादि स्थानों से गुजरती हुई पुनः संकल्प आकर संपन्न हुई, इस दौरान खिलाड़ियों ने खेल के साथ-साथ प्रायोजकों के प्रचार का कार्य भी किया। उन्होंने बताया कि टीम एक्स हंटर्स को प्रतियोगिता का विजेता घोषित किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी गौरव जैन ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि खेल बहुत ही रोचक थे तथा जीतो से जुड़कर अपना नेटवर्क बढ़ाने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर जीतो बैंगलुरु नार्थ के उपाध्यक्ष राजेश मुथा व सुभाष खीवेसरा, महिला विंग अध्यक्ष बिंदु रायसोनी व मुख्य सचिव सुमन वेदमुथा, पूर्व अपेक्स निदेशक जय चंद बाफ़ना के साथ-साथ जीतो नार्थ व युवा विंग सदस्य उपस्थित थे।

देश एवं प्रदेश में भाजपा ही विकास के लिए एकमात्र विकल्प है पूर्व विधायक राठौड़

पुष्पांजलि टुडे। पाली राजस्थान

पाली राजस्थान। जैतारण विधानसभा के कालब कला एवम पचानपुरा में भाजपा की जन आक्रोश यात्रा को संबोधित करते हुए पूर्व सरकारी उप मुख्य सचेतक एवम सुमेरपुर के पूर्व मदन राठौड़ ने राजस्थान प्रदेश की बदहाल स्थिति, बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था को लेकर जनता में भारी गुस्सा और आक्रोश है। अब पूरे प्रदेश की जनता जन आक्रोश यात्रा के साथ जुड़कर कांग्रेस के कुशासन को उखाड़ फेंकने का संकल्प ले चुकी है। राठौड़ ने कहा कि देश सहित राजस्थान प्रदेश में विकास के लिए भाजपा ही एकमात्र विकल्प हैं।राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस के नेताओ ने जनता से झूठे वादे करके सरकार बनाई थी, अब सरकार का झूठ सामने आ गया है। कांग्रेस के कुशासन से जनता त्रस्त है। पूरे राजस्थान भर में मिल रहे जन आक्रोश यात्रा के अपार समर्थन से यह स्पष्ट हो गया है कि राजस्थान की जनता सत्ता परिवर्तन की मांग कर रही है । गुजरात की तर्ज पर ही आने वाले समय में राजस्थान में प्रचंड बहुमत से भाजपा की सरकार बनने जा रही है, कमल का फूल खिलने जा रहा है सुशासन के स्वागत के लिए राजस्थान की जनता बेसब्री से इंतजार कर रही है। राठौड़ ने कहा कि राजस्थान की नकारा कुशासन देने वाली कांग्रेस सरकार के विरुद्ध यह रथ पूरे क्षेत्र में घूम कर सरकार की विफलताओं और 4 साल के काले कारनामों को उजागर कर रहा है।इस अवसर पर जैतारण विधायक अविनाश गहलोत, रायपुर प्रधान कमला चौहान, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष। दिग्विजय सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष महेंद्र कुमावत, महेंद्र मेघवंशी, जिला परिषद सदस्य रतन सिंह, मंडल अध्यक्ष मोहनसिंह कमांडो सहित भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

गंगा में बहती हुई हमारी अस्थियां से भी जय श्री राम की आवाज आयेंगी- तरस्वी उपाध्याय

विहिप बजरंग दल ने निकाली शौर्य यात्रा

ब्यूरो रिपोर्ट -रीतेश अवस्थी

दमोह। दमोह नगर में विहिप बजरंग दल द्वारा शौर्य यात्रा का आयोजन किया गया। दल के सदस्यों द्वारा बताया गया कि यह गीता जयंती के उपलक्ष्य में इसका आयोजन हर वर्ष किया जाता है। पहले यह आयोजन 6 दिसंबर को किया जाता था। ज्ञात हो कि 6 दिसंबर 1992 में अयोध्या स्थित विवादित ढांचे को कारसेवकों द्वारा गिरा दिया गया था चूंकि उस दिन गीता जयंती थी इसलिए अब हर वर्ष गीता जयंती के उपलक्ष्य में शौर्य यात्रा का आयोजन विहिप एवं बजरंग दल द्वारा किया जाता है।स्थानीय एक्सीलेंस विद्यालय के खेल प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता एवं आम नागरिक सम्मिलित हुए।सर्वप्रथम मंचासीन श्री राम दरबार का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मंचासीन अतिथियों वेंकट राव प्रांत प्रमुख धर्म प्रसार विश्व हिंदू परिषद, श्री राम पटेल विभाग समरसता सह प्रमुख, विकास मिश्रा जिला अध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद ,ठाकुर दास जी महाराज धर्म प्रसार प्रमुख के अलावा प्रमुख अतिथियों एवं वक्ताओं के रूप में तरस्वी उपाध्याय प्रांत सह संयोजक बजरंग दल, ज्ञानी जसपाल सिंह जी ग्रंथी मोर गंज गुरुद्वारा साहिब एवं महिमानंद जी श्री राम मंदिर गार्डलाइन उपस्थित रहे।मंच संचालन करते हुए श्री राम पटेल ने बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक सुनील ठाकुर को आमंत्रित किया अपने ओजस्वी उद्बोधन में पूर्व जिला संयोजक ने बजरंगियों को अपना संकल्प एवं लक्ष्य और एकाग्र चित्त होकर चलने का वचन दिलाया। धर्मांतरण के विषय पर भी उन्होंने स्थानीय प्रशासन को आड़े हाथ लेते हुए अपना कर्तव्य याद दिलाया और चेताते हुए कहा कि बजरंगी अगर कानून हाथ में लेंगे तो फिर संभाल पाना मुश्किल होगा।ज्ञानी जसपाल सिंह ग्रंथी जी ने अपने उद्बोधन में बताया कि प्रभु श्री राम की भांति हम सब को भी मर्यादाओं का पालन करना चाहिए ।धर्मांतरण को लेकर उन्होंने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी ने भी धर्मांतरण का विरोध किया था। उद्बोधन श्रंखला में महिमानंद जी महाराज ने गीता जयंती का महत्व बताया। श्री राम चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि जब श्रीराम वन गए तो राम बन गए।प्रमुख वक्ता के रूप में तरस्वी उपाध्याय प्रांत सह संयोजक बजरंग दल ने अपने वीर रस से भरे हुए ओजस्वी उद्बोधन में उपस्थित बजरंगिओ में ऊर्जा का नया संचार कर दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में उपस्थित बजरंग दल कार्यकर्ताओं को अपना संकल्प याद दिलाया और नारे भी लगवाए कि अयोध्या तो झांकी है मथुरा काशी बाकी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया कि हम तो बजरंगी हैं हम जब तक जिएंगे प्रभु श्री राम के चरण कमलों के लिए और जब हम मरेंगे भी तो गंगा में प्रवाहित हमारी अस्थियों से भी जय श्री राम का नारा ही सुनाई देगा।धर्मांतरण विषय पर बोलते हुए विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल 6 दिसंबर की पुनरावृत्ति दमोह में भी हो सकती है ।दमोह को अयोध्या बनाने में ज्यादा समय नहीं लेंगे विहिप बजरंग दल कार्यकर्ता।मंचीय उद्बोधन के बाद एक्सीलेंस विद्यालय प्रांगण से शौर्य यात्रा आरंभ हुई जोकि को- ऑपरेटिव चौराहा बस स्टैंड चौक स्टेशन चौराहा से होते हुए घंटाघर अस्पताल चौराहा से वापस एक्सीलेंस स्कूल प्रांगण में समाप्त हुई। इस यात्रा का जगह जगह हिंदुओं द्वारा फूल वर्षा कर स्वागत किया गया।पूरी यात्रा डीजे में बजती धुनों के साथ जय श्री राम के नारों से गुंजायमान होते हुए संपन्न हुई।सभी उपस्थित अतिथियों पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार अमित राय जिला मंत्री विश्व हिंदू परिषद एवं शंभू विश्वकर्मा जिला संयोजक बजरंग दल द्वारा किया गया।इस आयोजन में विश्व हिंदू परिषद प्रांत धर्म प्रसार प्रमुख वेंकट राव प्रांत समरसता प्रमुख श्री राम पटेल विभाग समरसता प्रमुख बलवान ठाकुर बजरंग दल विभाग संयोजक पवन रजक विश्व हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष विकास मिश्रा उपाध्यक्ष अजय खत्री जिला उपाध्यक्ष रवि ठाकुर जिला मंत्री अमित राय बजरंग दल जिला संयोजक शंभू विश्वकर्मा ठाकुर जी महाराज जिला प्रचार प्रसार प्रमुख नीरज असाटी जिला सुरक्षा कल्लू ठाकुर अजय मिश्रा विक्रम राठौर दुर्गा ठाकुर जिला सह संयोजिका दुर्गा वाहिनी रामाशंकर ताम्रकार सानू हजारी, रजित जैन गोलू चौबे नीतिन कुरेडिया अक्षय वाजपेई नगर मंत्री कन्हैया पटेल उपाध्यक्ष पं राम मिश्रा मनीष अग्रवाल नगर सुनील ठाकुर नगर संयोजक अनुराग छोटू यादव सौरव यादव निखिल राजपूत पंकज तिवारी विधान पाराशर सुधांशु खरे कुलदीप शर्मा आशीष पांडे आशीष शर्मा मनीष शर्मा राजेश पटेरिया सुरेंद्र राय अनमोल राय पंकज सिंघई विक्की रैकवार लखन ठाकुर दशरथ पटेल अभिषेक चौहान कैलाश विश्वकर्मा जगत यादव अभय रजक राहुल सेन गणपत हरवाल दीपक रजक मोनू ठाकुर मुकेश विश्वकर्मा संतोष हटिया बृजेश आठया उदेश्य रजक लोकेश रजनीश नितिन परसोत्तम विपिन प्रकाश ठाकुर रामू ठाकुर मोनू नामदेव केशव राठौर सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही

नोरा ने जैकलीन के खिलाफ मुकदमा दायर कराया

बॉलीवुड अदाकारा नोरा फतेही ने अभिनेत्री जेकलीन फर्नांडीज के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया है, जिसमें बदनाम करने के कारणों से उन पर मानहानि के आरोप लगाए गए। फतेही के अनुसार, फर्नांडीज ने अपने हित के लिए और मेरे करियर को नष्ट करने के लिए आपराधिक रूप से बदनाम करने की कोशिश की, वह दोनों एक ही क्षेत्र में काम करते हैं और समान पृष्ठभूमि वाले हैं। 2 दिसंबर को, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ठग सुकेश चंद्रशेखर के 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फतेही से पूछताछ की थी। फर्नांडीज और फतेही दोनों ने मामले में गवाह के तौर पर अपना बयान दर्ज कराया है।

इससे पहले ईडी ने फर्नांडीज की 7.2 करोड़ रुपये की सावधि जमा कुर्क की थी, जिसने इन उपहारों और संपत्तियों को अभिनेत्रियों द्वारा प्राप्त अपराध की आय करार दिया था। फरवरी में, ईडी ने चंद्रशेखर की सहयोगी पिंकी ईरानी के खिलाफ अपनी पहली पूरक अभियोजन शिकायत दर्ज की, पिंकी ने ही सुकेश से बॉलीवुड अभिनेत्रियों को मिलवाया था।

चार्जशीट में आरोप लगाया गया था कि ईरानी फर्नांडीज के लिए महंगे उपहारों का चयन करती थीं और बाद में चंद्रशेखर द्वारा भुगतान किए जाने के बाद इसे उनके घर पर भेजती थीं। ईडी ने पिछले साल दिसंबर में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह की अदालत के समक्ष इस मामले में पहली चार्जशीट दाखिल की थी। चंद्रशेखर ने अलग-अलग मॉडल्स और बॉलीवुड सेलेब्स पर करीब 20 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। हालांकि, कुछ लोगों ने उनसे उपहार लेने से इनकार कर दिया था।

नवाजुद्दीन ने दी कलाकारों को सलाह

बॉलीवुड अभिनेता नवाजउद्दीन सिद्दिकी का कहना है कि कलाकारों को बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की चिंता नहीं करनी चाहिए। नवाजुद्दीन सिद्दीकी का कहना है कि कलाकारों को बॉक्स ऑफिस के कलेक्शन की परवाह नहीं करनी चाहिए।बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की चिंता करना प्रोड्यूसर का काम है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा, 'टिकटें कितनी बिक रही हैं इससे एक कलाकार को परेशान नहीं होना चाहिए। बॉक्स ऑफिस पर क्या हो रहा है इसकी चिंता करना प्रोड्यूसर का काम है। एक कलाकार यदि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करता है तो मैं इसे एक क्राफ्ट करप्शन की तरह देखता हूं।

शिल्पा शेट्टी ने जिम में किया वर्कआउट

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने जिम में वर्कआउट किया। शिल्पा शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में शिल्पा जिम में पसीना बहाती हुई नजर आ रही हैं। एक्सरसाइज करते हुए शिल्पा केप्शन में एक्सरसाइज के फायदे बता रही हैं। वीडियो के केप्शन में शिल्पा बताती हैं कि घुटने में चोट के चलते उनके लिए एक्सरसाइज करना बेहद मुश्किल होता है, लेकिन यह केलोरी कम करने का सबसे बेहतरीन तरीका है। एक्सरसाइज हमारे पेरों को शेप में लाता है।

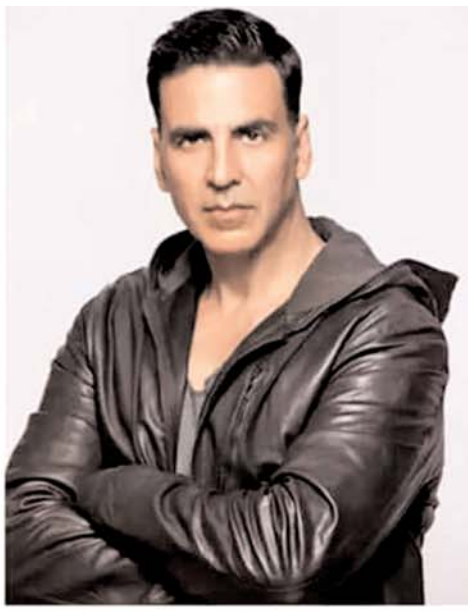

अक्षय ने मराठी फिल्म से अपना लुक शेयर किया

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अपनी आने वाली मराठ फिल्म 'वेडात मराठे वीर दोड़ले सात' से अपना लुव सोशल मीडिया पर शेयर किया है। अक्षय कुमार छत्रपति शिवाज महाराज के जीवन पर आधारित मराठी फिल्म 'वेडात मराठे वी दोड़ले सात' में काम कर रहे हैं। इस फिल्म में अक्षय शिवाजी जी वे अहम किरदार में नजर आयेंगे। इस फिल्म के जरिए अक्षय मराठ फिल्मों में डेब्यू भी कर रहे हैं।अक्षय कुमार ने इस फिल्म से अपन पहला लुक शेयर किया, जिसमें वह छत्रपति शिवाजी महाराज वे रोल में नजर आ रहे हैं। अक्षय ने अपने लुक को शेयर करते केप्श में 'जय भवानी, जय शिवाजी' लिखा है।

अक्षय को सफेद कुर्ते पायजामे के साथ सिर पर पगड़ी, माथे प तिलक और गले में माला के साथ देखा जा सकता है। गौरतलब कि फिल्म 'वेडात मराठे वीर दोड़ले सात' को महेश मांजरेकर बन रहे हैं। इसे कुरैशी प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के वसीम कुरेश निर्मित कर रहे हैं। यह फिल्म अगले साल 2023 में दीवाली प रिलीज होगी। यह फिल्म मराठी के अलावा हिंदी, तमिल और तेलु भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। फिल्म में अक्षय वे अलावा जय दुधने, उत्कर्ष शिंदे, विशाल निकम, विराट मैडके हार्दिक जोशी, सत्या, नवाब खान और प्रवीण तरडे जैसे कलाका अहम रोल में हैं।

आज का पंचांग

ज्योतिषाचार्य एवम वास्तु विशेषज्ञ पंडित **मुकेश शास्त्री** फोन नं. 09414824459

13 दिसंबर 2022 मंगलवार। शुभ मास- पोष मास कृष्ण पक्ष। शुभ तिथि पंचमी पूर्णा संज्ञक तिथि रात्रि 9 बजकर 21 मिनट तक रहेगी । पंचमी तिथि मे सभी शुभ और मांगलिक कार्य विवाह, उपनयन, वास्तु,प्रतिष्ठा इत्यादि कार्य शुभ होते है किन्तु ऋण देना शुभ नहीं माना जाता है । पंचमी तिथि मे जन्मे जातक धनि, शोकीन,साहसी, बुद्धिवान, भाग्यवान, पराक्रमी होते है। चन्द्रमा सम्पूर्ण दिन कर्क राशि में संचार करेगा। व्रत उपवास - वेधृति पुण्यं। **राहुकाल** -दोपहर 3 बजे से 4.30 बजे तक। **दिशाशूल** - मंगलवार को उत्तर दिशा मे दिशाशूल रहता है । यात्रा को सफल बनाने लिए घर से गुड़ खा कर निकले ।

मेष — च, चु, चे, ला, ली, लु, ले, लो, अ, आ
आपका दिन शानदार रहेगा। आगे बढ़ने के कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे। उत्तेजना को हावी नहीं होने दे। हनुमान चालीसा पढ़ कर घर से निकले।

वृष — ई, उ,ए, ऐ, ओ, व, वा, वी, वे, वो,वु
आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। स्टूडेंट्स को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। महत्वपूर्ण मसलों पर जीवनसाथी से राय लेना ठीक रहेगा। सिंदूर लगे लाल मसूर के दाने पॉकेट में रखे ।

मिथुन — क, का,की, कू, के, को, की, घ,ह,ङ, छ
आज के दिन धैर्य और संयम बनाये रखे अपने कार्यों में | दिन के प्रथम भाग में कुछ समस्याऐ रहेगा | निजी संबंधों में ध्यान देना होगा | एप्पल के फल सफाई कर्मचारी को दे।

कर्क — हि, हु, है,हो, डा,डी, डु ड, डे, डो
जितनी मेहनत करेंगे, उतने ही अच्छे रिजल्ट मिलेंगे | इधर उधर नहीं देखे सिर्फ काम पर फोकस रखे | अपनी बात को सकारात्मक ढंग से सामने रखे | गुड खा कर निकलें।

सिंह — म,मा,मी,मु,मे,मो,ट,टा, टी, टू, टे
आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। सोचे हुए सभी काम समय से पूरे होंगे। नए लोगों से मुलाकात भविष्य के लिए लाभदायक होगी।मीठा दूध और जलेबी गरीब बच्चों को खिलाएं।

कन्या — पा,प,पु,प,प,प,पो,पौ,टो
आज आपका दिन मिला जुला रहेगा। सहयोगियों के साथ ताल-मेल बनाकर कार्य करे | जरुरत से ज्यादा अपनी प्रतिक्रिया नहीं दे | कुत्तों को बिस्कुट खिलाये।

तुला — र, रा, री, रु, रे, रो, र, ता, त, तु, ते, तो
आज दिन की शुरुआत शुभ संकेतो के साथ होगी | पूरे दिन खुद को एनर्जिटिक फील करेंगे | आमदनी में इजाफा होने के आसार नजर आ रहे हैं। लाल रुमाल पॉकेट में रखे।

वृश्चिक — न,ना,नी, नु, ने, नो, या, यी, यु, य
आज परिस्थिति में बदलाव हो रहा है | अपने आप को भी बदलने का पयास करें। रिश्तों में भी दूसरों का नजरिया देखने का पयास करें । गुड चने बच्चे में बांटे।

धनु — ये, यो, भ, भा, भी, भु, भे, फ, धा, ढ
आज खुद को बदलने के लिए तैयार रखना होगा। नई नौकरी, नए बिजनेस की रूपरेखा बनेगी, पैसों के उलझे मामलों को आज ही सुलझाने की कोशिश करें। 5 रोज अगरबत्ती जला कर घर से निकले |

मकर — भो, ज, जा, जी, ज, ख, खी, खु, खे,
आप कुछ नया करने का प्रयास करेंगे। कई दिनों से रुके हुए काम पूरे होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। अनार के कुछ दाने खा कर घर से निकले।

कुंभ — गु, गे, गो, स, सा, सु, से, सो, द, दा
आपका दिन बढ़िया रहेगा। तरक्की के कई सुनहरे मौके मिलेंगे।मौसमी बीमारी से बचे | टोस्ट के पैकेटो का दान वृद्धाश्रम में करे।

मीन — दि, दु, झ, थ, था, दे, दो, च, चा, ची
आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आप समय से पहले पूरा होने सारे काम । बचना होगा ओवर कॉन्फिडेंस से | कन्या को मीठी चटनी वाला समोसा खिलाये ।

यूरोप-अमेरिका के बीच चिप कंपनियों को लुभाने की होड़

यूरोप ने जितनी प्रोत्साहन राशि की घोषणा की है वह वेश्विक स्तर पर हिस्सेदारी बढ़ाने के लिहाज से काफी कम है।

यूरोप में यह डर पहले से ही बना हुआ है कि कई बड़ी कंपनियां ईयू छोड़कर अमेरिका चली जाएंगी। पीडब्ल्यूसी कंसल्टेंसी की रणनीति इकाई 'स्ट्रेटेजी एंड' के उद्योग विशेषज्ञ मार्कुस ग्लोगर इस 'डर की बात' को तवज्जो नहीं देते हैं। उनका कहना है कि बार-बार यह आलोचना की जाती है कि यूरोप वेश्विक स्तर पर सिर्फ 10 फीसदी चिप का ही उत्पादन करता है, लेकिन यह ध्यान नहीं रखा जाता है कि इस महाद्वीप में ?चिप निर्माण को लेकर बेहतर समझ और पूरी तरह से प्रशिक्षित कार्यबल" भी है।

उन्होंने डीडब्ल्यू से कहा, इस बात को पूरी तरह कम करके आंका गया है। आप कहीं भी फेक्ट्री स्थापित कर सकते हैं, लेकिन वहां काम करने के लिए प्रशिक्षित लोगों की जरूरत होती है। यूरोप में लंबे समय से सेमीकंडक्टर का निर्माण हो रहा है। आपको कई जगहों पर फेक्ट्री में ऐसे लोग मिलेंगे जिन्होंने इस काम का प्रशिक्षण यूरोप में लिया है।

200 करोड़ के क्लब में शामिल हुई 'दृश्यम 2'

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 2 ,200 करोड़ के क्लब में शामिल हो गयी है। अजय देवगन, तब्बू और अक्षय खन्ना स्टारर फिल्म 'दृश्यम 2' 18 नवंबर को प्रदर्शित

हुयी है। फिल्म दृश्यम 2 बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है।दृश्यम 2 ने बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने फिल्म दृश्यम 2 का लेटेस्ट कलेक्शन शेयर करते सोशल मीडिया पर हुए लिखा, 'जहां अधिकतर फिल्में पहले सप्ताह में ही दम भर देती हैं वहीं दृश्यम 2 अपना शानदार रन जारी किए है। चौथे वीकेंड पर फिल्म ने 13.45 करोड़ का कलेक्शन किया है। नई रिलीज के बावजूद फिल्म के प्रदर्शन पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। वीक - 4 शुक्रवार 2.62 करोड़ , शनिवार 4.67 करोड़, रविवार 6.16 करोड़। कुल- 209.75 करोड़।

72 वर्ष के हुये रजनीकांत

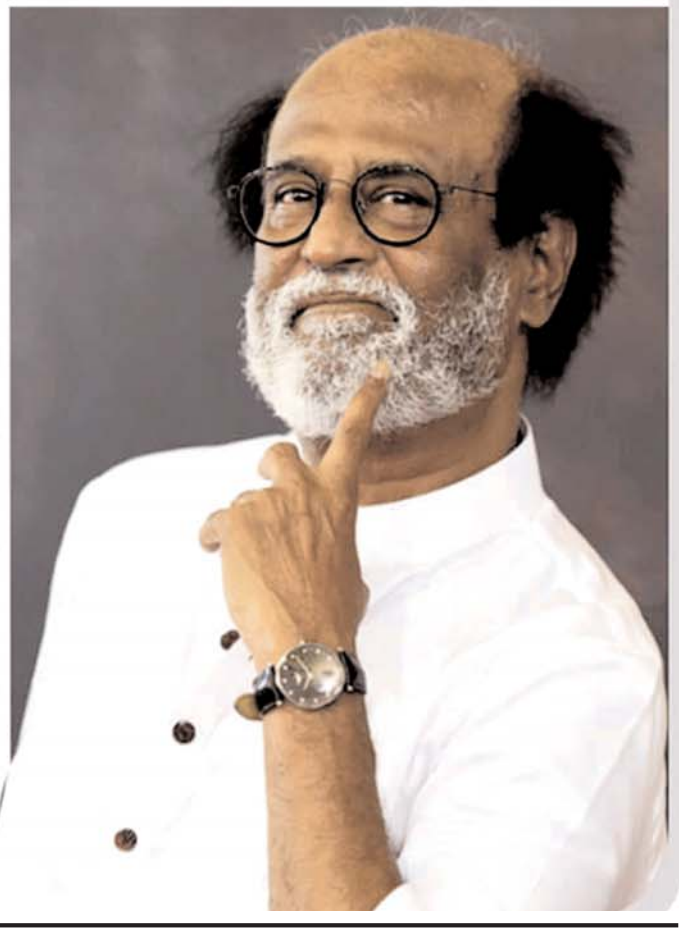

दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत आज 72 वर्ष के हो गये। बतौर बस कंडक्टर अपने करियर की शुरूआत कर दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक बनने वाले रजनीकांत को यह मुकाम पाने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। 12 दिसंबर 1950 को बंगलुरू में जन्में रजनीकांत मूल नाम शिवाजी राव गायकवाड बचपन के दिनों से ही फिल्म अभिनेता बनना चाहते थे। रजनीकांत ने परिवार की मदद करने के लिए कारपेंटर से लेकर कुली तक का काम किया। इसी बीच उनका झुकाव सिनेमा की तरफ बना रहा।

वह अक्सर स्कूल प्ले में हिस्सा लेते थे। स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद रजनीकांत ने बंगलुरू ट्रांसपोर्ट सर्विस में बतौर बस कंडक्टर काम करना शुरू कर दिया। रजनीकांत की फिल्मोंत दिलचस्पीक थी और वह एक्टिंग करना चाहते थे। इसी शौक की वजह से उन्होंतने 1973 में मद्रास फिल्म इंस्टीलट्यूट से एक्टिंग में डिप्लोमा लिया। रजनीकांत कंडक्टरगिरी करते देख सिगरेट उछाल कर पीना, गॉगल के साथ खेलना करते रहते थे। यह एक नाटक के मंचन के दौरान फिल्म निर्देशक के. बालाचंदर उनसे मिले और उनके समक्ष उनकी तमिल फिल्म में अभिनय करने का प्रस्ताव रखा।

वर्ष 1975 में के.बालचंद्र के निर्देशन में बनी तमिल फिल्म अपूर्वा रागांगल से रजनीकांत से अपने सिनेमा करियर की शुरूआत की। इस फिल्म में कमल हसन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। वर्ष 1978 में प्रदर्शित तमिल फिल्म भैरवी में रजनीकांत को बतौर मुख्य अभिनेता के रूप में पहली बार काम करने का अवसर मिला। यह फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुई साथ ही रजनीकांत भी सुपरस्टार बन गए। वर्ष 1980 में रजनीकांत की एक और सुपरहिट फिल्म बिल्ला प्रदर्शित हुई। बिल्ला अमिताभ की सुपरहिट फिल्म डॉन की रिमेक थी।वर्ष 1983 में प्रदर्शित फिल्म अंधा कानून के जरिये रजनीकांत ने बॉलीवुड में भी कदम रख दिया।इस फिल्म में रजनीकांत की भूमिका ग्रे शेडस लिये हुये थी।

हनुमानजी वेरी श्री बालाजी महाराज को श्रद्धालुओ ने रोठ का भोग चढ़ाकर पुजा आराधना की

पाली । रूपावास व गिरादडा गॉव के बीच मेन रोड पर हनुमानजी वेरी श्री बालाजी महाराज मंदिर परिसर मे ग्रामीण श्रद्धालुओ ने श्री बालाजी की प्रतिमा पर दीप ज्योति उज्जवल कर तेल सिन्दूर माली पन्ना चढ़ाकर व लाल केसरिया रंग का वस्त्र पहनाकर ओर रोठ का धोक लगाकर विधी विधान मंत्रोच्चार के साथ मे हवन कुंड मे आहुतिया देकर व शीश नवाकर पुजा आराधना कर ईश्वर से देश व प्रदेश में सुख शांति, मंगल कामना की प्रार्थना की गई।
इस मौके पर भाजपा जिला सहसंयोजक पायल पटेल, पुर्व जिला परिषद सदस्य श्रीदेव पटेल, मोहनलाल चौकीदार हरिभाई पटेल रूपावास, पुखराज, जालमसिंह मालवी, नंदु भाई,सुरेश सैन, मोहनलाल खुण्डावास, कानसिंह उमकली , कैलाश, चेनाराम भाटी, तुलसाराम घॉची कई लोग मौजूद थे

रोजगार के लिए मील का पत्थर साबित होगा रोजगार सृजन केन्द्र माधव महाविद्यालय में रोजगार सृजन केन्द्र का शुभारंभ

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। प्राचीनकाल में भारत आत्मनिर्भर था। अंग्रेजों ने देश पर कब्जा करने के बाद यहां के लघु और कुटीर उद्योगों को खत्म कर दिया था। लघु और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने से भारत फिर से स्वावलम्बी बन जाएगा। रोजगार के लिए रोजगार सृजन केन्द्र मील का पत्थर साबित होगा।यह बात ग्वालियर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रदीप शर्मा ने नई सड? स्थित माधव महाविद्यालय में रोजगार सृजन केन्द्र के शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि की आसंदी से कही। उल्लेखनीय है कि स्वावलम्बी भारत अभियान के अंतर्गत मध्य भारत प्रांत के 16 जिलों में सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह मा.दत्तात्रय होसबले ने भोपाल से ऑनलाइन रोजगार सृजन केन्द्र का शुभारंभ किया। विशेष अतिथि उद्योगपति नरेश मदान ने कहा कि देश के साथ ग्वालियर में भी रोजगार बढ़े इसके लिए हम भी सहयोग के लिए तैयार हैं। रोजगार बढ़ने से निश्चित ही देश और शहर की उन्नति होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अविनाश तिवारी ने कहा कि यह एक अनूठी पहल है। उन्होंने बताया कि जीवाजी विश्वविद्यालय में इनक्यूबेशन सेंटर शुरू किया गया है। यहां से भी युवा स्वरोजगार शुरू करने के लिए जानकारी ले सकते हैं। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि स्वावलम्बी भारत योजना को स्कूली स्तर पर भी प्रमोट करना चाहिए। इससे परिणाम बहुत अच्छे मिलेंगे। इससे पहले अतिथियों का स्वागत रीना सोलंकी और प्रो.नीति पांडे ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रियंका कुशवाह ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संपर्क प्रमुख नवल शुक्ला, राष्ट्रोत्थान न्यास के अध्यक्ष प्रो.राजेन्द्र बांदिल, ग्वालियर विभाग सेवा प्रमुख सुनील पाठक, हरेंद्र शर्मा, स्वदेशी जागरण मंच के राकेश शर्मा, राकेश अग्रवाल,सुधीर भदौरिया, संजीव कुचिया आदि उपस्थित थे।

उद्यमी बनकर स्वावलम्बी बनें युवा

लघु उद्योग भारती मध्यभारत प्रांत के महामंत्री एवं रोजगार सृजन केन्द्र ग्वालियर के पालक सोबरन सिंह तोमर ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि यह अभियान भारत के आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं का सामूहिक अभियान है। इसका उद्देश्य गरीबी मुक्त तथा समृद्धि युक्त भारत का निर्माण करना है। न्होंने कहा कि युवा नौकरी देने वाले बनें ना की नौकरी लेने वाले। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन बाबू गेनू की पुण्यतिथि है। इसी दिन उन्होंने स्वदेशी के लिए अपना बलिदान दिया था। श्री तोमर ने कहा कि युवा उद्यमी बनकर स्वावलम्बी बनें।

कार्तिक घाट पहुँच मार्ग निर्माण हुआ प्रारम्भ

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। विधायक उमाकांत जी शर्मा के विशेष प्रयासों से स्वीकृत होकर नगर के ऐतिहासिक धार्मिक स्थल कार्तिक घाट मंदिर के साथ कानापुर मत्थापुर को जोड़ने वाली वार्ड सड़क के निर्माणकार्य का जनप्रतिनिधियों ने मंगलवार को शुभारंभ किया। इसके साथ ही लक्ष्मण घाट से ब्रम्हघाट की प्रस्तावित सड़क का निर्माण कार्य भी प्रारंभ होगा। उल्लेखनीय है कि इन निर्माणकार्यों का भूमिपूजन विगत चुनाव के पूर्व विधायक उमाकान्त शर्मा द्वारा किया गया था किंतु ठेकेदार के लेटलतीफी के चलते निर्माणकार्य प्रारम्भ नही हो सका था लेकिन नगरपालिका की परिषद गठन के बाद से नपाध्यक्ष द्वारा किए गए प्रयासों से अब नगर के इन महत्वपूर्ण विकास कार्यों का रास्ता साफ हो गया है। मंगलवार को नपा के अधिकारियों और ठेकेदार की मौजूदगी में जनप्रतिनिधियों ने निर्माणकार्यों को प्रारम्भ कराया। इस कार्य में वार्ड 20- 21 के मध्य स्थित वर्षो से प्रतीक्षारत करीब 73 लाख के निर्माण होने वाली सीसी सड़क, ह्यूमन पुलिया,रिटर्निंग बॉल का निर्माण होने से कानापुर मत्थापुर मोहल्ले को जाने वाले नागरिकों की सुविधा के लिए पांच मीटर की पुलिया बनने से वाहनों से आवागमन सुलभ हो सकेगा। इसके साथ ही लटेरी रोड़ स्थित प्राचीन लक्ष्मण पुलिया से ब्रम्हघाट तक करीब 28 लाख की लागत से बनने वाली महत्वपूर्ण सीसी सड़क का निर्माण कार्य भी शामिल है। इस मौके पर प्रमुख रूप से भाजपा के नेता सरसिज शर्मा जी नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, नपा उपाध्यक्ष मनोज शर्मा साईनाथ,पार्षदगण,भाजपा के वरिष्ठ नेतागण,मुख्य नगरपालिका अधिकारी प्रदीप भदौरिया एवं नपा अमला उपस्थित रहे।

दबोह पुलिस ने हार जीत का दांव लगा रहे जुआरियों को पकडा

भिण्ड पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपूसे के द्वारा जुआरियों (जुआ खेल रहे व्यक्ति) पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था।इसी तारतम्य में अनुविभागीय अधिकारी लहार अवनीश बंसल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी दबोह संजीव तिवारी एवं उनकी टीम द्वारा थाना क्षेत्र में दिनांक 13.12.2022 को मुखबिर सूचना पर दबिश देकर जुआ खेल रहे जुआरियों को हाईस्कूल के पीछे के मैदान में पक?ा एवं उनके कब्जे से 4135 रूपये नगदी एवं एक 52 ताश के पत्तों की गड्डी बरामद की

कलेक्टर ने छात्रावास अधीक्षकों की बैठक ली

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित छात्रावास के अधीक्षकों की बैठक कलेक्टर कार्यालय भिण्ड के सभागार में आयोजित की गई। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर पराग जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने छात्रावास अधीक्षकों को निर्देशित कर कहा है कि आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं की सुविधा हेतु शासन के द्वारा छात्रावास संचालित किए गए हैं। सभी अधीक्षक छात्रावास में रह रहे बच्चों साथ समय व्यतीत कर उनसे चर्चा करें जो भी छोटी-छोटी परेशानियां हैं उनका निराकरण करें। उन्होंने कहा कि समस्त अधीक्षक अपने छात्रावास अंतर्गत लाइट, पानी, पानी की टंकी, वायर की प्रोपर फिटिंग, किचन की साफ-सफाई एवं मरम्मत, रंगाई-पुताई इन सभी चीजों की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जो भी अधीक्षक छात्रावास को अच्छा करके दिखाएंगे उनको सम्मानित किया जाएगा। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था और अनियमितता पाए जाने एवं किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित अधीक्षक के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

स्टेट बैंक से सेवा निवृत्त सिक्सटी प्लस समूह के साथी श्री सन्तराम बमोरिया जी का जन्मदिन उत्साह पूर्व मनाया गया

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। ÷सिक्सटी प्लस ग्रुप÷ ग्वालियर के तत्वावधान में गत दिवस सिटी सेंटर ग्वालियर स्थित एक स्थानीय रेस्टोरेंट में संतराम बामोरिया, सेवा निवृत्त हुए प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक का जन्मदिवस समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया । वातावरण को मनोरंजक एवं उत्साह पूर्ण बनाने के उद्देश्य से विभिन्न कवियों एवं गीत गायकों ने अपनी प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया।वरिष्ठ कवि रामसेवक शाक्यवार ÷स्वप्नेश÷ ने बहुत ही चुटकुले व्यंग, हास्य एवं प्रेरक काव्य रचनाओं की प्रस्तुति दी। उन्होंने व्यंग पढ़ते हुए कहा,

हीं बिगड़ा अभी भी ना उठती हाट के हो तुम ।
हिमालय से अडिग प्रहरी ,ना समझो साठ हो तुम।
जमाने को तुम्हारी आज भी उतनी जरूरत है।

बंधी हो अगर मुट्ठी तो समझो लाख के हो तुम।।÷

इसी क्रम में कवि रामचरण ÷रुचिर÷ ने नीति के दोहे पढ़ते हुए कहा,÷ ÷सतसंगत जो जन करें मन पावे सुख मेल ।
मुख से मीठे वचन कहि, तजैं वैर विष बेल।।
करनी ऐसी कीजिए, जो सुख देवे और।
निर्मल मन से प्रीति हो, शांति रहे सब ठौर।।

अगले क्रम में दीपक बापट पूर्व मुख्य प्रबंधक ,भारतीय स्टेट बैंक ने व्यंग रचना पढ़ते हुए कहा, ÷सेवानिवृत्ति का असली मजा अब चखिए ,इसीलिए स्टेटमेंट को भूलकर अभी दो-चार दिन मिले हुए पैसों को गिनने में लगाइए,
और फिर इसके बाद अगले कार्यक्रम के लिए तैयार हो जाइए।÷
इस बीच संचालन कर रहे सुरेंद्र पाल सिंह कुशवाहा, पूर्व प्रबंधक ने सुंदर गीत प्रस्तुत करते हुए कहा ,
÷मैं जीत गया अपनों को दे दे कर प्रीत। बार-बार हारा मैं, गए वो जीत।
मेरे मन के वीणा का जिसने छुआ तार। वेदना में सूख गया देकर झंकार।
दर्द दर्द नाम किए हमने मीत मीत।।
मैं जीत गया अपनों को दे देकर प्रीत।÷

वातावरण में मनोरंजक बनाने के लिए गोपाल धारकर ने सुंदर फिल्मी गीत सुनाया ÷इसी प्रकार अन्य सदस्यों ने भी बहुत सुंदर प्रस्तुतियां दी।
इसी बीच कार्यक्रम में सभी ने संतराम बामोरिया को पुष्पहार से लाद दिया एवं उन्हे एवं पुष्पगुच्छ सहित स्मृति चिह्न व उपहार भेंट किए । केक कटने के उपरांत सभी को वितरित किया गया।

इस अवसर पर समूह के साथी भारी संख्या में उपस्थित हुए। जिनमें मोहन स्वरूप श्रीवास्तव ,रमेश सिंह तोमर, अनिल शर्मा, रमाशंकर गुप्ता, आशुतोष सिंह राठौर ,डी जी बापट, बीके तेलंग , एन गुप्ता ,अनिल बाजपाई ,रविंद्र श्रीवास्तव, अशोक लालवानी ,टीसी गुप्ता एवं उनकी श्रीमती, राधेश्याम गुप्ता, विनोद गुप्ता गोपाल धारकर, भूरी सिंह एवं , आरसी शर्मा ,अशोक माथुर, हरि शंकर पाराशर, जेपी गुप्ता , सियाराम सिंघल बीएल खंडेलवाल, प्रकाश चंद्र , महफूज बैग , बनारसी दास ,अकबर खान ,रमेश कहॉल, बृजेश चौहान दौलतराम पाठक ,रमाशंकर शर्मा भरोसी लाल बंसल, अरविंद शिंदे परिवार ,विश्वबिहारी मिश्रा, अशोक माथुर ,नरेंद्र बहादुर चौधरी, ललित पांडे, हरीश चंद्र विज ,अशोक भागवानी ,अखिलेश अग्रवाल एवं संतराम बामोरिया जी का परिवार एवं रिश्तेदार उपस्थित हुए ।कार्यक्रम का संचालन श्री सुरेंद्र पाल सिंह कुशवाहा जी के द्वारा किया गया उसके पश्चात दाल बाटी का सुरुचि भोजन ग्रहण किया।
अंत में संतराम बामोरिया द्वारा कार्यक्रम में पधारे सभी साथियों का आभार प्रकट किया।

दोस्त के साथ मिलकर पिता की हत्या करने वाले अभियुक्त को आजीवन कारावास

मोनू बाथम
पुष्पांजली टुडे

गोहद-अपर लोक अभियोजक के0सी0 उपाध्याय के अनुसार न्यायालय पूरन सिंह, अपर सत्र न्यायाधीश गोहद जिला भिण्ड द्वारा सत्र प्र0क0 271 / 2016 म0प्र0 राज्य द्वारा आरक्षी केन्द्र गोहद विरूद्ध हरिओम आदि में आज दिनांक 13.12. 2022 को आरोपी 1. हरियोम बघेल पुत्र रामदास बघेल निवासी घनश्यामपुरा वार्ड नंबर-3 थाना गोहद जिला भिण्ड (म0प्र0) 2. दीपक पुत्र संतोष प्रजापति निवासी छत्तरपुरा वार्ड नंबर-2 गोहद थाना गोहद जिला भिण्ड (म0प्र0) को धारा 302/34 भादवि में दोषी मानते हुए आजीवन कारावास एवं पांच हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।अभियोजन का प्रकरण के अनुसार फरियादिया श्रीमती पार्वती बाई घटना दिनांक-21-22.05.2016 से करीब 5-6 साल पूर्व से अपने पुत्र हेमंत के साथ गोहद चौराहा पर रह रही थी और उसका बड़ा लड़का हरिओम सूरत में नौकरी करता था तथा उसकी पत्नी रामवती फरियादिया के पति रामदास के साथ नया घनश्यामपुरा गोहद में रहती थी। फरियादिया का पति रामदास फरियादिया की मारपीट करता था और लड़कों को मारता था, इस कारण उसके साथ कोई नहीं रहता था, केवल बहू रामवती रहती थी। दिनांक 23.05.2016 को करीब 10-11 बजे फरियादिया को उसका बड़ा लड़का हरिओम गोहद चौराहा पर ग्वालियर वाली रोड पर मिला और उससे बोला कि डुकरिया आज वह उसके डुकरा को मार आया है और उसके हाथ में लग गई है। तब फरियादिया ने कहा कि वह अभी थाने जाती है तो हरिओम ग्वालियर तरफ चला गया और वह गोहद चौराहा पर घर चली गई। इसके बाद बहू नेहा ने फरियादिया के लड़के हेमंत को फोन लगाया तब वह हेमंत को लेकर रिपोर्ट करने थाने आई और पुलिस को लेकर घनश्यामपुरा वाले घर पर पहुंची तो देखा कि उपर वाले कमरे में फरियादिया का पति रामदास मरे पड़े थे। फरियादिया के लड़के हरिओम ने उसके पति को जान से खत्म कर दिया है। फरियादिया द्वारा उक्त घटना के संबंध में लेख कराई गई उक्त आशय की देहाती नालिशी रिपोर्ट के आधार पर थाना गोहद में 302, 201 भा0दं0सं0 पंजीबद्ध किया गया। विवेचना के दौरान मृतक की लाश का सफीना फार्म तैयार किया गया तथा नवशा पंचायतनामा लाश तैयार करते हुये शव का परीक्षण कराया गया। अग्रिम विवेचना के दौरान घटनास्थल का नवशा मौका तैयार करने, घटनास्थल से 6 घटना में प्रयुक्त रस्सी के टुकडे जब्त करने, साक्षीगण के कथन लेखबद्ध करने, अभियुकागण को गिरफ्तार करने अभियुक्तगण के सूचना मेमोरेण्डम के आधार पर अभियुक्त हेमंत से पीतल जैसी धातु का कलशा, तम्हेडी, लोहे का ताला एवं पत्थर, अभियुक्त हरिओम से एक बैल्ट, दो चाबी, एक साफी एवं अभियुक्त दीपक से एक तकिया, एक लोहे का हंसिया, दो रस्सी के टुकडे जब्त कर प्रथक प्रथक जब्ती पत्रक तैयार करने, साक्षी संजू उर्फ संजीव से एक ग्लास जब्त कर जब्ती पत्रक तैयार करने, जब्तशुदा प्रदर्शों का रासायनिक परीक्षण कराने तथा शेष आवश्यक अनुसंधान उपरांत अभियोगपत्र पेश किया गया और न्यायालय द्वारा विचारण उपरान्त अभियुक्तगण हरिओम व दीपक को दोषी मानते हुए दण्डित किया गया।

मध्यप्रदेश में पत्रकार नहीं सुरक्षित पत्रकारों की समस्या नहीं सुनते मंत्री नहीं लेते संज्ञान यह शिवराज सरकार

पुष्पांजली टुडे

मध्य प्रदेश के गृहमंत्री ने इंदौर में दिया था बयान पत्रकारों से अभद्र व्यवहार करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई यह बात कहने में अच्छी लगती है और मीडिया में इस की सुर्खियां भी रही इंदौर में एक पत्रकार संगठन के कार्यक्रम में पहुंचे थे मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा उन्होंने कार्यक्रम में मंच से कहा था कि पत्रकारों पर किसी भी प्रकार का घात करने वाले व्यक्तियों को बक्सा नहीं जाएगा मध्यप्रदेश में कई ऐसे मामले आए जिनमें पुलिस और प्रशासन ने पत्रकारों के मामले में ढील पोल रवैया अपनाते हुए ना ही कोई कार्यवाही की पत्रकारों को आए दिन सरेआम गालियां और दो कौड़ी के पत्रकार कहा जाता है वह पत्रकार जो रात दिन सुबह हो या शाम पीछे मंत्रियों के लगकर फोटो खींचता है उनकी कवरेज करता है सुबह पूरी खबर बनाकर उनको पेपर तक देने जाता है ऐसे पत्रकारों को मध्य प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान आए दिन सुर्खियों में रहते हैं लेकिन पत्रकारों के लिए 2005 में जो आदेश जारी किया गया बनाया जिसमें कहा गया था कि पत्रकार को गिरफ्तार करने से पहले उच्च स्तरीय जांच की जाएगी लेकिन वह आदेश ठंडे बस्ते में डाल दिया गया ऐसे अनेकों कार्य लगातार होते रहे मध्य प्रदेश की सरकार भाजपा की सरकार में जमा अफसरशाही अब ना ही पत्रकारों को समझते हैं ना मंत्रियों की सुनते हैं ऐसे कई मंत्री जो पत्रकारों से भी एलर्जी करते हैं जबकि पत्रकार देश का चौथा स्तंभ कहे जाने वाला स्तंभ है जो बिना लोग लालच के दिन हो या रात लगातार काम करता रहता है मैं आज इस लेख के माध्यम से कहना चाहता हूं शासन को कि पत्रकार जिस दिन आप का बहिष्कार कर देगा उस दिन आपको पत्रकार की अहमियत पता चलेगी बड़ा अफसोस होता है कि खंडवा में एक सरपंच के द्वारा पत्रकार को जान से मार देने की धमकी दी गई उसी के दूसरे दिन सोपुर में बीएमओ के द्वारा पत्रकार को दो कौड़ी का पत्रकार कहा गया और उस मामले में जान से मारने की धमकी दी गई आज उसका चौथा दिन होने के बावजूद भी थाना प्रभारी ने उसको संज्ञान नहीं लिया ना ही अभी तक कोई एफ आई आर की क्या पत्रकारों के मामलों को जानबूझकर कमजोर किया जाता है श्योपुर के मामले में प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ की टीम आज मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री प्रभु राम चौधरी से मुलाकात की मुलाकात कर पत्रकारों के साथ हुए अभद्र व्यवहार को लेकर कार्यवाही की मांग की और अनेकों ऐसे मामलों में पत्रकार संगठनों तक बात नहीं पहुंच पाती और कार्रवाई कर उनको अंदर कर दिया जाता है काश यह सरकार पत्रकारों की समस्या भी समझ पाती

रविन्द्र सिंह पवैया

स्वदेशी आंदोलन के प्रथम बलिदानी बाबू गैनू को श्रधांजलि

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। सहीद भगतसिंह सेवा समिति ने श्रधांजलि समर्पित की, श्रधांजलि सभा सहीद भगतसिंह चौक सात नंवर चौराहा पर श्रधेय शहीद भगतसिंह जी की पतिमा के समक्ष आयोजित की गई जिसमे गुलाव सिह सेगर श्री राजेन्द्र शर्मा श्री संतोष कुशवाह श्री शिव सिंह भदौरिया श्री के सी शर्मा श्री अवधेश शर्मा श्री कपिल दीक्षित श्री सुनहरी तौमर श्री राजू धोलकर श्री राकेश धनवर, श्री राकेश झा श्री सोमेश शर्मा एवं अनन्य राष्ट्र पेमियो ने श्रधांजलि अर्पित की।सभा को संबोधित करते हुए श्री के सी शर्मा ने बताया कि श्रधेय बाबू गैनू का जन्म महाराष्ट्र के पूणे जिले के शिवनेरी किले के पास स्थिति महालुंगे पड़वल गांव में 1908 में साधारण गरीब परिबार में हुआ था,इनके पिता, माता श्री ज्ञानबा एवं श्रीमती कुण्डादेबी धार्मिक प्वत्ति के थे पिता का देहांत बचपन में ही हो गया था।बड़े भाई ने इन्हें पशुओं के चराने के काम में लगा दिया।दुर्भाग्य से पहाड़ पर बैल लड़ गये और पहाड़ से गिर कर एक बैल मर गया।भाई बहुत नाराज हुआ। इसी बीच इनकी मां गांव छोड़कर मुम्बई आ गयी एवं घरो में काम कर तथा बाबू गैनू मील में मजदूरी गुज़ारा करने लगे ।देश भक्ती उनके रग रग में बसी थी उन्होंने देश के स्वधीनता आंदोलन में साइमन कमीशन का पुरजोर बिरोध किया जिसके लिए उन्हें जेल जाना पड़ाअंग्रेज जज ने इनसे पूछा देश के लिए क्या जान दोगे तब बाबू गैनू ने हां जान दे दूंगा।1930मे श्रधेय गांधी जी ने आव्हान किया विदेशी सामान की होली जलाओ में बाबू गैनू ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।ब्रिटेन के मेनचेस्टर शहर का कपड़ा मुम्बई बाजार में बिकने कालाहांडी स्थिति मील में आने की खबर बाबू गैनू और उनके साथियो को लगी उन्होने मिल को चारों तरफ से घेर लिया।मिल से विदेशी कपड़ो से भरी लारी ट्र्क को बाबू गैनू के साथियो ने रोका इस दौरान अंग्रेज सार्जेंट ने बलवीर सिंह चालक को हटाकर ट्क पर बैठ कर खुद ट्क चालाते हुए बाबू को ललकारा पर साहसी बाबू गैनू ट्क के आगे आये उसने बाबू गैनू पर ट्क चढ़ा दिया बाबू गैनू का बलिदान हुआ खून से सड़क लाल हो गयी सड़क पर जन सैलाव उमड़ पड़ा। और भीड़ उनकी सव यात्रा में बढ़ती गयी कस्तूरबा ने उनकी माता कुन्डा देवी को ढांढस बंधाया। श्री बाबू गैनू के नाम से वह सड़क जानी जाती है उनके गांव महालुंगे पड़वल में उनकी पतिमा लगी है देश की राजधानी दिल्ली में भी बाबू गैनू स्ट्रीट है।

Aadhar Housing Finance Ltd
GHAR BANEGA, TOH DESH BANEGA.
HOME LOAN PLOT PURCHASE TOPUP
HOME EXTENSION LAP PURCHAS + CONSTRECTION
Add. Alaknanda Tower - 2, City Centre, Gwalior
Contact : Mr. Santosh Singh Bhadoriya
9179661562

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478